RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष: 11 अंक: 75 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,शुक्रवार, 11 सितंबर 2026 | मूल्य: 4 रुपए | पृष्ठ: 08

दोनों देशों के बीच क्रूड ऑयल, रक्षा और निवेश पर होगी चर्चा

पुतिन की पीएम मोदी संग आज बैठक, दुनिया की रहेगी नजर

भारत 75 सुखोई-57 फाइटर जेट की बड़ी डील कर सकता है, एस-400 की पांचवीं यूनिट और 112 मेगावाट रिएक्टर तकनीक पर भी होगी बातचीत

● नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत आ रहे हैं। हालांकि, उनकी यात्रा में सबसे अहम पड़ाव 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने वाली द्विपक्षीय बैठक होगी जिस पर पूरी दुनिया की नजरें हैं। इस बैठक में दोनों देशों के बीच क्रूड ऑयल, व्यापार, रक्षा और निवेश समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत हो सकती है।

इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में कुछ बड़ी डील और घोषणाओं पर भी नजर है। बता दें कि इसके पहले दोनों नेता जब बिश्केक में मिले थे, तो उनके बीच खास बॉन्डिंग देखने को मिली थी। पीएम मोदी और पुतिन की बैठक ऐसे समय हो रही है, जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस से मिलने वाला कच्चा तेल यानी क्रूड काफी महत्वपूर्ण हो गया है। वहीं, रूसी तेल खरीद को लेकर भारत पर कई तरह के दबाव भी बढ़ रहे हैं। भारत पहले ही साफ कर चुका है कि वह अपनी जरूरत और राष्ट्रीय हित के हिसाब से तय करेगा कि उसे किस देश से तेल खरीदना है। (शेष पेज 8 पर)

रक्षा क्षेत्र में तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर रहेगा भारत का जोर

इसके अलावा भारत और रूस के बीच ज्वाइंट डिफेंस प्रोडक्शन, यानी रक्षा उपकरणों का मिलकर उत्पादन करने को लेकर भी बड़ा ऐलान हो सकता है। भारत की कोशिश लंबे समय से रक्षा क्षेत्र में स्थानीय उत्पादन और तकनीकी सहयोग बढ़ाने की रही है। ऐसे में रूस के साथ संयुक्त उत्पादन इस दिशा में अहम कदम हो सकता है। बैठक में एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की सप्लाई का मुद्दा भी उठ सकता है। भारत रूस से परमाणु पनडुब्बी के लिए 112 मेगावाट क्षमता वाले ज्यादा शक्तिशाली रिएक्टर की तकनीक चाहता है।

ब्रिक्स समिट को लेकर दिल्ली में अभूतपूर्व सुरक्षा

ब्रिक्स समिट के दौरान दिल्ली और मेहमानों की सुरक्षा में एंटी-ड्रोन सिस्टम, एंटी-एयरक्राफ्ट गन, स्नाइपर और एंटी-सबोटाज टीमें लगाई गई हैं। दिल्ली में 11 से लेकर 13 सितंबर तक 35 रूट और 11 होटल सुरक्षा घेरे में रहेंगे। भारत मंडपम और प्रतिनिधियों के ठहरने वाले होटलों पर मल्टी-लेयर सिक्योरिटी ग्रिड लगाया गया है। ब्रिक्स समिट का मुख्य कार्यक्रम भारत मंडपम में होगा। पुलिस के अनुसार दिल्ली में 25 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी सिक्योरिटी में लगाए गए हैं। 100 से ज्यादा एनएसजी कमांडो और एंटी-ड्रोन सिस्टम एक्टिवेट किए गए हैं। करीब 30 वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जिनमें डीसीपी स्तर के अधिकारी शामिल हैं, सुरक्षा की निगरानी करेंगे। 1000 से ज्यादा दिल्ली पुलिस कमांडो भी तैनात किए गए हैं। शनिवार से कई सड़कों पर ट्रैफिक प्रतिबंध, 22 रूट पर पुलिस की विशेष निगरानी शुरू कर दी गई है। विदेशी मेहमानों के एयरपोर्ट पहुंचने से लेकर उनके होटल और कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के दौरान सुरक्षा का खास ध्यान रखा जाएगा। भारत मंडपम और प्रमुख होटलों में एंट्री-एग्जिट की जांच, निगरानी, सर्विलांस और वेरिफिकेशन की व्यवस्था की गई है।

सीएम ने कलेक्टरों को सुचारू संचालन के दिए निर्देश

पीएम के जन्मदिन पर 2 बड़े अभियान 50 लाख ग्रामीणों की मुफ्त रजिस्ट्री

मुख्यमंत्री ने कहा, उत्सव के रूप में मनाएं स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान और सेवा से संकल्प अभियान

● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश में दो महत्वपूर्ण अभियानों का शुभारंभ किया जाएगा। प्रदेश में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा से संकल्प अभियान के रूप में जनसेवा को नए संकल्प के साथ पूरा करने के लिए यह अभियान संचालित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान से प्रदेश के 50 लाख से अधिक ग्रामीण आबादी को उनकी सम्पत्ति की निःशुल्क रजिस्ट्री कर राजस्व विभाग के माध्यम से दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे। वहीं, सेवा से संकल्प अभियान के तहत पहले दिन 17 सितंबर को शाम 7 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ 58 लाख आशीर्वाद के दीपक जलाएं जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में पूरी तैयारी के साथ दोनों ही अभियान को उत्सव के रूप में आयोजित करें। मुख्यमंत्री गुरुवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कमिश्नर्स और कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स से कहा कि वे इन दोनों अभियान के लिए अगले दो दिन में माइक्रो प्लानिंग पूर्ण कर लें। जिले में स्वामित्व अभियान का नेतृत्व कलेक्टर स्वयं करें। जिला स्तर पर नोडल अधिकारी, जोनल अधिकारी और सेक्टर अधिकारी भी नियुक्त किए जाएं। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वामित्व अधिकार निष्पादन अभिलेख, पंजीयन अभियान में प्रदेश भर के 41 हजार 568 गांवों के 68 लाख 47 हजार प्लॉट का सर्वे किया जा चुका है और 50 लाख से अधिक हितग्राहियों के नाम पर निःशुल्क रजिस्ट्री कराई जाएगी। रजिस्ट्री के लिए पंचायत उपकर, अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी छूट का प्रावधान है।

17 सितंबर को शाम 7 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ 58 लाख आशीर्वाद के दीपक जलाएं जाएंगे

भोपाल में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर एक माह तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को राजधानी भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ होगा। इस कार्यक्रम में सभी जिलों के कलेक्टर और हितग्राही वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। एक माह तक प्रदेश भर में जन सेवा के विभिन्न प्रकल्प संचालित किए जाएंगे एवं जन सहभागिता से कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों को सुनिश्चित किया जाएगा।

हर निष्पादन अधिकारी को रोजाना 40 रजिस्ट्री करने का लक्ष्य

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारी ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच, सचिव, पटवारी और रोजगार सहायक मिलकर प्रत्येक गुरूवार, शुक्रवार और शनिवार को निःशुल्क रजिस्ट्री के लिए शिविर लगाएं और प्रतिदिन कम से कम 30 से 40 रजिस्ट्री स्वामित्व योजना के अंतर्गत निष्पादित करने का लक्ष्य रखें। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए किए वे स्वामित्व अभिलेख अभियान की बेहतर प्लानिंग और शैड्यूलिंग कर प्रति दिन प्रगति रिपोर्ट तैयार कर सबमिट करें।

बीजेपी ने सात मोर्चा प्रभारियों का किया ऐलान, एमपी से दो

● नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने संगठन के स्तर पर नए सात अलग-अलग मोर्चों के प्रभारियों को नियुक्त किया है। सात में से सबसे ज्यादा 2 प्रभारी मध्य प्रदेश से हैं। किसान मोर्चा के प्रभारी बनाए गए लाल सिंह आर्य मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। एमपी में उनकी गिनती भाजपा के एक बेहद वरिष्ठ, अनुभवी और प्रमुख दलित नेता के रूप में रही है। वह वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी भी रहे हैं।

वहीं, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रभारी बनाए गए गजेंद्र सिंह पटेल भाजपा के एक प्रमुख आदिवासी नेता है। वो मध्य प्रदेश के खरगोन-बड़वानी लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। वह वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में राष्ट्रीय महामंत्री की बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। सतीश पूनिया एसटी मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। पूनिया राजस्थान भाजपा के कद्दावर नेता हैं। वो राजस्थान में भाजपा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बतौर प्रभारी उन्होंने भाजपा की जीत की हैट्रिक पूरी करवाई थी। पूनिया अभी राज्यसभा सांसद हैं।

मप्र के लाल सिंह आर्य किसान और गजेंद्र सिंह पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चा की मिली कमान

अन्ना नगर के एक पते पर मिले 40 पासपोर्ट

फर्जी पासपोर्ट गैंग के तार डबरा के बाद भोपाल से जुड़े

छिंदवाड़ा व बैतूल में भी मिला नेटवर्क, एसटीएफ की टीम वेरिफिकेशन के लिए असम रवाना

● भोपाल

मध्यप्रदेश में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने वाले गिरोह की जांच अब ग्वालियर के डबरा से निकलकर भोपाल तक पहुंच गई है।

एसटीएफ की पड़ताल में राजधानी के अन्ना नगर स्थित एक पते पर करीब 40 पासपोर्ट रजिस्टर्ड होने की जानकारी सामने आई है। खास बात यह है कि जांच के दौरान इस पते पर इनमें से कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं मिला। इससे पहले डबरा के सेमरिया इलाके के एक पते पर 17 पासपोर्ट जारी होने का खुलासा हो चुका है। वहीं, छिंदवाड़ा और बैतूल के पतों पर भी 13 पासपोर्ट रजिस्टर्ड पाए गए हैं। एसटीएफ अब इन सभी मामलों को आपस में जोड़कर पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। संदिग्ध पासपोर्ट 2021, 2022 और 2023 के दौरान तैयार किए गए थे। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इन फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया। (शेष पेज 8 पर)

बौद्ध मठों के पते पर बनते थे दस्तावेज

डीआईजी राहुल कुमार ने बताया कि आरोपी बौद्ध मठों के रूप में डबरा, भोपाल, छिंदवाड़ा और बैतूल जैसे स्थानों पर पहुंचते थे। इन स्थानों के पतों का इस्तेमाल पासपोर्ट बनवाने के लिए किया जाता था। दस्तावेज तैयार होने और पासपोर्ट जारी होने के कुछ समय बाद संबंधित लोग उस स्थान से चले जाते थे। एसटीएफ के मुताबिक भोपाल के अन्ना नगर स्थित जिस पते का इस्तेमाल किया गया, वहां करीब 40 लोगों के पासपोर्ट रजिस्टर्ड मिले, लेकिन जांच के दौरान इनमें से कोई भी व्यक्ति वहां नहीं मिला। अब एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इस पते का इस्तेमाल किसने और किसकी मदद से किया।

मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे

● भोपाल

राज्यपाल ने दिलाई शपथ

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे को मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधिपति की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति कोगजे ने मप्र के 30 वें मुख्य न्यायाधीपति की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को लोकभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री ने शपथ ग्रहण के बाद नव नियुक्त मुख्य न्यायाधिपति कोगजे को पुष्प-गुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा मप्र हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे को नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया। (शेष पेज 8 पर)

मुख्य आरोपियों के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

सीएम के निर्देश पर सागर प्रशासन का बड़ा एक्शन, श्मशान व सरकारी जमीन पर कर रखा था कब्जा

● सागर / आरएनएन

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के सागर दौरे के तुरंत बाद जिला प्रशासन सख्त एक्शन मोड में आ गया है। बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके परिपालन में प्रशासन ने बंडा में मुख्य आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया है। राजस्व विभाग, पुलिस बल और नगर परिषद बंडा की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल के साथ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

कार्रवाई 3 जेसीबी की मदद से की गई। बंडा में आरोपियों के पांच अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया, जिसमें मनीष लोधी के तीन, चंद्रभान राजपूत का एक एवं आशीष साहू का एक निर्माण कार्य का ध्वस्त किया गया। प्रशासनिक जांच और राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार आरोपियों द्वारा सरकारी भूमि, श्मशान, पहाड़-चट्टान पर अतिक्रमण किया गया था।

जहरीली शराब से गईं 3 और जानें

जहरीली शराब पीने के बाद बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती 3 और मरीजों की मौत हो गई है। अब मृतकों की संख्या 31 पर पहुंच गई है। हालांकि, प्रशासन 16 मौतों की ही पुष्टि कर रहा है। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती गूगरा निवासी धन सिंह लोधी और पिपरिया इल्लाई के रूप सिंह अहिरवार ने गुरुवार को दम तोड़ दिया। वहीं बुधवार देर रात हिनौती के धन सिंह आदिवासी की मौत हो गई थी। तीनों शवों का गुरुवार को पोस्टमॉर्टम कराकर परिजन को सौंप दिए गए। सागर के नवागत आईजी इरशाद वली ने गुरुवार को पदभार संभाला। इसके बाद वे सीधे बंडा पहुंचे। उन्होंने शराब बनाने के स्थानों और प्रभावित गांवों का जायजा लिया। शराब कांड के गिरफ्तार आरोपी चंदू राजपूत से भी पूछताछ की।

गैंगस्टर अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली, आरएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक बड़ा फैसला करते हुए 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट के दोषी और गैंगस्टर अबू सलेम की समय से पहले रिहाई की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। आपको बता दें कि बीते 27 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने अबू सलेम की याचिका पर फैसला सुरक्षित कर लिया था।

रिहाई की मांग वाली याचिका खारिज

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा अप्रैल में दिए गए फैसले को बरकरार रखा है। अबू सलेम की तरफ से कहा गया था कि सजा में मिलने वाली छूट को जोड़ने पर उसने 25 साल की सजा पूरी कर ली है, इसलिए उसे रिहा किया जाए। हालांकि, बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा था कि उसकी याचिका समय से पहले दायर की गई है।

राज परिवार | प्रतिमा देवी का आवेदन कोर्ट में स्वीकार, 41,000 करोड़ रुपए की विशाल सम्पत्ति का होना है बंटवारा

नए कानूनी पेंच में फंसा सिंधिया परिवार का सम्पत्ति विवाद

● ग्वालियर

सिंधिया राज परिवार की 41,000 करोड़ रुपए की विशाल संपत्ति के बंटवारे से जुड़े कानूनी विवाद में एक नया और बेहद अहम मोड़ आ गया है। ग्वालियर जिला न्यायालय ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ प्रतिमा देवी का आवेदन स्वीकार कर लिया है। अब प्रतिमा देवी का दावा भी इस संपत्ति विवाद की आधिकारिक कानूनी सुनवाई का हिस्सा बन गया है।

प्रतिमा देवी ने अपनी मां स्व. पद्माराजे के पारिवारिक हिस्से को आधार बनाकर अपना दावा पेश किया है। उन्होंने संपत्ति में बराबर के अधिकार की मांग की है। प्रतिमा देवी ने पूर्व में कोर्ट के समक्ष पक्ष रखते हुए कहा था कि उन्हें इस मामले में वसीयत और जरूरी दस्तावेजों की सही जानकारी नहीं दी गई थी और उन्हें इस प्रक्रिया से अलग रखा गया था। गुरुवार को हुई सुनवाई में प्रतिमा देवी खुद उपस्थित नहीं हुईं। उनकी ओर से उनके दामाद प्रतीक कारकी ने अदालत में पक्ष रखा।

7 अक्टूबर की सुनवाई है अहम

ग्वालियर जिला न्यायालय ने मामले की अगली तारीख 7 अक्टूबर तय की है। 7 अक्टूबर की सुनवाई इसलिए निर्णायक मानी जा रही है क्योंकि इस दिन संपत्ति के बंटवारे और प्रतिमा देवी के दावे पर आमने-सामने बहस शुरू होगी। समझौते से जुड़े कानूनी सवालों और हस्ताक्षरों की वैधता पर कोर्ट विचार करेगा।

नोटिस और पते पर प्रतिमा ने उठाए सवाल

नेपाल के काठमांडू में रहने वाली प्रतिमा देवी ने पहले कोर्ट के सामने नोटिस प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनका आरोप था कि उन्हें मामले से जुड़े कई जरूरी कागजात कभी उपलब्ध ही नहीं कराए गए। वह काठमांडू में निवास करती हैं, लेकिन उन्हें नोटिस नेपालगंज के गलत पते पर भेजे गए, जिसके कारण उन्हें समय पर जानकारी नहीं मिल सकी। मामले के दूसरे पक्ष ने प्रतिमा देवी की आपत्तियों को खारिज करते हुए अदालत में अपना जवाब दाखिल किया था। उनका दावा है कि पूर्व में तैयार किए गए समझौते पर प्रतिमा देवी की सहमति थी और संबंधित दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर मौजूद हैं। हालांकि, प्रतिमा देवी का कहना है कि उन्हें बिना पूरी जानकारी दिए प्रक्रिया में शामिल किया गया था। इस बिंदु पर भी कोर्ट में आगे बहस होगी।

41,000 करोड़ रुपए की संपत्ति में यह है शामिल

- विवाद के केंद्र में मौजूद संपत्ति देश के कई प्रमुख शहरों में फैली हुई है।
- जय विलास पैलेस का सबसे भव्य और चर्चित हिस्सा।
- ग्वालियर सहित अन्य राज्यों में स्थित राजशाही संपत्ति।
- कई शहरों में फैलीं कीमती जमीनें।
- इस पूरी संपत्ति का अनुमानित मूल्य करीब 41,000 करोड़ रुपए आंका गया है।

IRCTC केस में लालू परिवार पर आरोप तय

इनमें सरला गुप्ता, लारा प्रोजेक्ट्स और सुजाता होटल्स भी शामिल

● नई दिल्ली / आरएनएन

सात आरोपियों को किया गया आरोप मुक्त

आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग केस में लालू परिवार को बड़ा झटका लगा है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव, बेटे तेजस्वी यादव और पत्नी राबड़ी देवी सहित 9 आरोपियों के खिलाफ गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय किए।

इस मामले में सरला गुप्ता, लारा प्रोजेक्ट्स और सुजाता होटल्स समेत अन्य आरोपी भी शामिल हैं। कोर्ट ने आईआरसीटीसी होटल टेंडर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप तय किए। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 3 अक्टूबर को लिस्ट किया। वहीं, कोर्ट ने इस मामले में 7 आरोपियों को आरोप मुक्त कर दिया। कोर्ट ने माना ऐसा नहीं लगता है कि लालू यादव के खिलाफ जांच राजनीति से प्रभावित थी।

87 साल की हो गयी शाहपुरा नगरपालिका

110 प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला... अब किसके हाथ सत्ता की चाबी...?

1939 में राजाधिराज उम्मेद सिंह द्वितीय ने रखी थी स्थानीय लोकतंत्र की नींव, कांग्रेस के वर्चस्व से भाजपा की दस्तक तक बदली राजनीति; 11 सितंबर शुक्रवार को 110 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला, अध्यक्ष की कुर्सी के लिए बनेगा नया समीकरण...

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा-मूलचन्द पेसवानी शाहपुरा नगर पालिका चुनाव को लेकर 11 सितंबर को होने वाला मतदान सिर्फ 35 वार्डों में पार्षद चुनने का चुनाव नहीं है। यह शाहपुरा की 87 साल पुरानी नगर राजनीति की अगली कड़ी भी है। 1939 में 13 सदस्यों से शुरू हुआ नगर पालिका का सफर आज 35 वार्ड और 110 प्रत्याशियों तक पहुंच गया है। इस बार भाजपा और कांग्रेस ने सभी 35-35 वार्डों में प्रत्याशी उतारे हैं, जबकि 40 निर्दलीय भी मैदान में हैं। ऐसे में मुकाबला दिलचस्प है। क्योंकि जनता पहले पार्षद चुनेगी और इसके बाद निर्वाचित पार्षदों में से अध्यक्ष चुना जाएगा। लिहाजा वार्डों में जीत के साथ-साथ अध्यक्ष पद का सियासी गणित भी इस चुनाव का सबसे बड़ा केंद्र रहेगा। शाहपुरा की नगरपालिका का इतिहास बताता है कि यहां स्थानीय शासन की परंपरा आजादी से पहले ही शुरू हो गई थी। तत्कालीन राजाधिराज उम्मेद सिंह द्वितीय ने शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था और दोहरी प्रशासनिक व्यवस्था को देखते हुए फरवरी 1939 में 13 सदस्यीय म्यूनिसिपल बोर्ड की स्थापना की थी। खास बात यह थी कि जनता को अपने-अपने वार्ड से प्रतिनिधि चुनकर बोर्ड में भेजने का अधिकार दिया गया। उस समय मेवाड़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और किशनगढ़ जैसी रियासतों में भी ऐसी व्यवस्था नहीं थी।

राजाधिराज की सोच थी- नगरपालिका लोकतंत्र की पहली पाठशाला-

उस समय सफाई व्यवस्था हेल्थ ऑफिसर के अधीन थी और दफा 34 से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका थी। अलग-अलग व्यवस्थाओं के कारण शहर की सफाई और प्रशासन प्रभावित हो रहा था। सड़कों पर गंदगी रहती थी और सफाई कर्मचारियों की संख्या भी कम थी। इसे देखते हुए राजाधिराज ने स्थानीय लोगों की भागीदारी वाली व्यवस्था खड़ी की। उनकी सोच थी कि नगरपालिका ऐसी प्रारंभिक संस्था है, जो नागरिकों को शासन में भागीदारी और शासन का भार अपने कंधों पर उठाने की शिक्षा देती है। पहले बोर्ड में छह सदस्य जनता ने चुने, जबकि सात सदस्यों को राजाधिराज ने मनोनीत किया। इनमें पांच राज्य कर्मचारी और दो किसान थे। कुशल सिंह चौधरी सर्वसम्मति से नगरपालिका के पहले अध्यक्ष चुने गए।

1944 में दूसरा चुनाव, 44 स्ट्रीट लाइट और 22 सफाई कर्मचारी थे--

1 अक्टूबर 1944 को नगरपालिका का दूसरा चुनाव हुआ। इसमें मनोहर सिंह अध्यक्ष चुने गए। जनता द्वारा चुने गए सदस्यों में सदाशंकर शर्मा, भंवरलाल न्याती, मांगीलाल तोशनीवाल, चिरंजीलाल शर्मा, गोविंदराम और छितर पटेल शामिल थे। पं. सदाशंकर को सचिव की जिम्मेदारी दी गई। उस समय नगरपालिका की कार्यप्रणाली भले ही सीमित संसाधनों में चलती थी, लेकिन कामकाज का रिकॉर्ड उल्लेखनीय था। बोर्ड की 16 बैठकें हुईं और 305 में से 290 मामलों का निस्तारण किया गया। नगरपालिका का सालाना खर्च 3462 रुपए 11 आने 6 पैसे था। कस्बे में 44 स्ट्रीट लाइट और 22 सफाई कर्मचारी थे। आज शहर का आकार, आबादी और जरूरतें कई गुना बढ़ चुकी हैं। इसी के साथ नगरपालिका की जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं।

आजादी के बाद स्वतंत्रता सेनानी भी बने पालिका अध्यक्ष

1948 में कुशल सिंह चौधरी फिर अध्यक्ष बने और 1951 तक रहे। इसके बाद 1951 से 1956 तक रघुनाथ सिंह चौरसिया अध्यक्ष रहे। वर्ष 1956 से 1961 तक स्वतंत्रता सेनानी पंडित लादूराम व्यास ने नगरपालिका की कमान संभाली। यही वह दौर था जब शाहपुरा का नाम राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों से भी जुड़ा।

8 मार्च 1959 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू शाहपुरा हवाई अड्डे पर उतरे थे। वे भारत सेवक समाज के अधिवेशन में भाग लेने भीलवाड़ा आए थे। उस समय भीलवाड़ा में भी विमान उतरने की ऐसी सुविधा नहीं थी। नेहरू ने शाहपुरा में जनता को संबोधित किया और बाद में शाहपुरा से ही विमान द्वारा दिल्ली लौटे।

आज शाहपुरा की प्रमुख मांगों में रेल लाइन से जुड़ना शामिल है। ऐसे में इतिहास का यह अध्याय अपने आप में सवाल खड़ा करता है कि जिस शहर में कभी प्रधानमंत्री का विमान उतर चुका था, वह आज रेल कनेक्टिविटी के लिए क्यों तरस रहा है? इसी वर्ष 16 फरवरी को प्रसिद्ध संत विनोबा भावे भी शाहपुरा आए। तत्कालीन राजाधिराज सुदर्शन देव द्वारा 301 बीघा भूमि ग्रामदान में दिए जाने की घटना भी शाहपुरा के इतिहास में दर्ज है।

1961 से 1973 तक रामनारायण तीन बार अध्यक्ष रहे

1961 से 1973 तक रामनारायण तीन बार अध्यक्ष चुने गए। उनके कार्यकाल में शाहपुरा के शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम हुए। 31 मार्च 1963 को शाहपुरा महाविद्यालय का शिलान्यास तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया ने किया। 26 जनवरी 1968 को शिक्षामंत्री शिवचरण माथुर ने इसका उद्घाटन किया। 14 अक्टूबर 1971 को मुख्यमंत्री सुखाड़िया का शाहपुरा में भव्य स्वागत हुआ। इस दौर से साफ है कि नगरपालिका की राजनीति का दायरा केवल सड़क, नाली और सफाई तक सीमित नहीं था। शिक्षा और शहर के विकास की दिशा भी नगर राजनीति का हिस्सा थी।

1973 से 1982 तक रहा प्रशासकों का दौर

1973 से 1982 के बीच नगरपालिका बोर्ड का स्थायित्व नहीं रहा। अलग-अलग समय में प्रशासकों को जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान ज्ञानचंद सिंधी, भूरे खां कायमखानी, स्वतंत्रता सेनानी लक्ष्मीदत्त कांटिया और बालमुकुंद चौधरी जैसे नाम नगरपालिका की व्यवस्था से जुड़े रहे। 1982 से 1986 तक बालमुकुंद चौधरी अध्यक्ष रहे। इस समय तक शाहपुरा की नगर राजनीति में कांग्रेस समर्थित नेतृत्व का प्रभाव मजबूत था। लेकिन इसके बाद राजनीतिक तस्वीर बदलने लगी।

1990 में पहली बार भाजपा का अध्यक्ष, यहीं से बदले समीकरण

सन् 1990 में शाहपुरा नगरपालिका की राजनीति में बड़ा बदलाव आया। पहली बार भाजपा के कन्हैयालाल धाकड़ अध्यक्ष बने। वे मीसा बंदी भी रहे थे और 1995 तक अध्यक्ष पद पर रहे। इसके बाद कमला काबरा भाजपा से अध्यक्ष बनीं और वर्ष 2000 तक पद पर रहीं। यह वह दौर था जब नगरपालिका में कांग्रेस के लंबे वर्चस्व को भाजपा ने चुनौती देकर अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत की। 28 अगस्त 2000 को फिर समीकरण बदले और कांग्रेस पार्षदों के समर्थन से अनिल चौधरी अध्यक्ष बने। इसके बाद 2005 से 2010 तक कन्हैयालाल धाकड़ फिर अध्यक्ष रहे।

2010 के बाद चेहरों के साथ बदली प्राथमिकताएं

2010 से 2015 तक रघुनंदन सोनी चेयरमैन रहे। उनके कार्यकाल में शाहपुरा में सुंदर गार्डन का निर्माण हुआ। 2015 से 2020 तक किरण तोषनीवाल अध्यक्ष रहीं। कोरोना काल में चुनाव नहीं होने के कारण कुछ समय के लिए प्रशासक नियुक्त किया गया। इसके बाद 1 फरवरी 2021 से रघुनंदन सोनी फिर अध्यक्ष बने। अब नगर पालिका का नया चुनाव सामने है और शहर की राजनीतिक तस्वीर फिर बदलने की संभावना बनी हुई है।

35 वार्ड, भाजपा-कांग्रेस के 70 प्रत्याशी और 40 निर्दलीय

इस बार शाहपुरा नगरपालिका के 35 वार्डों में भाजपा के 35 और कांग्रेस के 35 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनके अलावा 40 निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। कुल 110 प्रत्याशी मतदाताओं के बीच हैं। यही 40 निर्दलीय इस चुनाव के समीकरण को खास बना रहे हैं। कई वार्डों में मुकाबला त्रिकोणीय है। कहीं पार्टी प्रत्याशियों को बागियों की चुनौती है तो कहीं स्थानीय चेहरे मुकाबले को रोचक बना रहे हैं। इसलिए चुनाव परिणाम में सिर्फ भाजपा और कांग्रेस के आंकड़े ही महत्वपूर्ण नहीं होंगे। निर्दलीयों की जीत की संख्या भी अध्यक्ष पद के चुनाव में निर्णायक साबित हो सकती है।

पार्षद का चुनाव जनता करेगी, अध्यक्ष का फैसला पार्षद करेंगे

शाहपुरा के नगर चुनाव की सबसे अहम बात यही है कि जनता सीधे अध्यक्ष का चुनाव नहीं कर रही। 11 सितंबर को जनता 35 वार्डों में पार्षद चुनेगी। इसके बाद निर्वाचित पार्षदों में से अध्यक्ष चुना जाएगा। यानी चुनाव के दो चरण हैं। पहला चरण- वार्ड की लड़ाई। दूसरा चरण-अध्यक्ष की कुर्सी का गणित। यदि किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिला तो तस्वीर साफ होगी। लेकिन परिणाम करीबी रहे तो निर्दलीय पार्षदों की भूमिका अचानक महत्वपूर्ण हो सकती है। यहीं से चुनावी नतीजों के बाद समर्थन, संपर्क और राजनीतिक रणनीति का दौर शुरू होने की संभावना रहेगी।

इतिहास समृद्ध, लेकिन विकास के सवाल आज भी कायम

शाहपुरा का इतिहास और विरासत इसे अलग पहचान देती है। 14 दिसंबर 1631 को महाराणा प्रताप के प्रपौत्र सुजानसिंह सिसोदिया ने शाहपुरा की स्थापना की थी। रामस्नेही संप्रदाय की परंपरा, स्वामी दयानंद सरस्वती का प्रवास, जैन समाज की धार्मिक विरासत, आर्य समाज की मजबूत उपस्थिति, विश्व प्रसिद्ध फड़ चित्रकला, राजमहल की स्थापत्य कला और बारहठ हवेली से जुड़ी स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियां शाहपुरा की पहचान हैं। क्रांतिकारी केसर सिंह बारहठ, जोरावर सिंह और प्रताप सिंह बारहठ की गौरवगाथा भी शाहपुरा की मिट्टी से जुड़ी है। लेकिन अब शहर अपने इतिहास के साथ भविष्य का हिसाब भी मांग रहा है।

रेल, जिला, उद्योग और पर्यटन... नए बोर्ड के सामने होंगे बड़े सवाल

शाहपुरा की प्रमुख मांगों में सबसे ऊपर रेल लाइन से जोड़ने और जिला बहाली का मुद्दा है। इसके अलावा नगर पालिका को नगर परिषद का दर्जा दिलाना, शाहपुरा को पर्यटन स्थल घोषित करवाना, रीको क्षेत्र में उद्योग स्थापित करना, सब्जी मंडी व बस स्टैंड को व्यवस्थित करना, शहर को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करना तथा पिवनिया तालाब और बगरू क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना प्रमुख मांगों में शामिल हैं। यानी आने वाला नगर बोर्ड केवल शहर की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करने वाला बोर्ड नहीं होगा। उसके सामने शाहपुरा की आर्थिक, शैक्षणिक, औद्योगिक और पर्यटन पहचान को मजबूत करने की चुनौती भी होगी।

1939 में सफाई से शुरू हुआ सफर, 2026 में विकास के एजेंडे तक

1939 में जब नगरपालिका बनी थी तो सबसे बड़ी चिंता थी, शहर की सफाई कैसे हो? तब 44 स्ट्रीट लाइट थीं और 22 सफाई कर्मचारी। आज शहर बदल चुका है। जरूरतें बदल चुकी हैं। राजनीति बदल चुकी है। पार्टियों का प्रभाव बदला है। अध्यक्षों के चेहरे बदले हैं। लेकिन एक सवाल आज भी वही है क्या नगर राजनीति शहर की जरूरतों के मुताबिक अपनी प्राथमिकताएं बदल पाई है? 11 सितंबर को जनता 35 वार्डों में अपना फैसला देगी। इसके बाद 35 पार्षद तय करेंगे कि पालिका की कमान किसके हाथ होगी। भाजपा...कांग्रेस... या फिर निर्दलीय पार्षदों के सहारे बनेगा कोई नया राजनीतिक समीकरण? यह तस्वीर चुनाव परिणाम के बाद साफ होगी।

लेकिन इस चुनाव का सबसे बड़ा सवाल अध्यक्ष की कुर्सी से भी आगे का है। शाहपुरा के पास 87 साल का नगरपालिका इतिहास है...अब सवाल है अगले पांच साल का भविष्य कौन लिखेगा?

श्री कृष्णा यादव महासभा में उमा प्रताप बने युवा प्रदेश उपाध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

उदयपुर, स्मार्ट हलचल। श्री कृष्णा यादव महासभा ने संगठन विस्तार के तहत उदयपुर राजस्थान के उमा प्रताप सिंह को युवा प्रदेश उपाध्यक्ष, राजस्थान के पद पर नियुक्त किया है। यह जिम्मेदारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश यादव, राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक संदीप यादव तथा राष्ट्रीय महामंत्री हेमंत यादव की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार यादव द्वारा सौंपी गई। उमा प्रताप सिंह इससे पूर्व राजस्थान समाजवादी पार्टी में प्रदेश महासचिव के दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं। उदयपुर के प्रतिष्ठित व्यवसायी होने के साथ वे लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहे हैं। संगठन की ओर से बताया गया कि उमा प्रताप सिंह के अनुभव, नेतृत्व क्षमता, संगठन कौशल और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। नियुक्ति पर उमा प्रताप सिंह ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के हित, युवाओं के सशक्तिकरण और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। यह जानकारी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार यादव ने दी।

रामनिवासधाम में 18 से 24 सितंबर तक होगी श्रीमद्भागवत कथा

संत मस्तरामजी मालपुरा करेंगे कथा का वाचन, दो सत्रों में होगा आयोजन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। श्री रामनिवासधाम परिसर में 18 से 24 सितंबर तक सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। श्रीमहाराज की अनुक म्पा और वर्तमान आचार्यश्री के आदेश से होने वाले आयोजन में मालपुरा के स ंत श्री मस्तरामजी महाराज कथा का वाचन करेंगे। आयोजन को लेकर रामनिवासधाम परिसर में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को भगवान की भक्ति, संत परंपरा और श्रीमद्भागवत के प्रसंगों का श्रवण करने का अवसर मिलेगा। कथा का आयोजन प्रतिदिन दो सत्रों में होगा।

सुबह 9 से 11.30 बजे तक तथा दोपहर 2.30 से शाम 5 बजे तक कथा होगी। धाम प्रबंधन ने शाहपुरा सहित आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं से इष्ट-मित्रों सहित कथा में पहुंचकर धर्मलाभ लेने का आह्वान किया है। रामनिवासधाम के कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधराम महाराज ने बताया कि सात दिवसीय आयोजन में प्रतिदिन भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा में अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

यह रहेगा कार्यक्रम

कथा अवधि- 18 से 24 सितंबर 2026

स्थान- श्री रामनिवासधाम परिसर, शाहपुरा

कथा वाचक- संत श्री मस्तरामजी महाराज, मालपुरा

समय- सुबह 9 से 11.30 बजे एवं दोपहर 2.30 से शाम 5 बजे तक

भक्ति का संदेश- आयोजन के आमंत्रण में संत परंपरा की वाणी के माध्यम से रामभक्ति का संदेश दिया गया हैकृ 'कलिकाल में राम भजन से ही कार्य सिद्ध होता है।'

जहाजपुर में चुनावी संग्राम चरम पर, मतदान से पहले गली-गली पहुंच रहे धीरज गुर्जर

अंतिम दौर में दोनों दलों ने झोंकी पूरी ताकत, जनसंपर्क से गर्माया चुनावी माहौल

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। नगर पालिका चुनाव में मतदान से ठीक एक दिन पहले जहाजपुर का सियासी माहौल पूरी तरह गरमा गया है। दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में पूरी ताकत झोंक दी है। प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदाताओं तक पहुंचने के लिए गली-गली जनसंपर्क कर रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर भी जहाजपुर में लगातार जनसंपर्क करते नजर आए।

गुर्जर ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ विभिन्न इलाकों में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की और चुनाव को लेकर संवाद किया। तस्वीरों में उनके साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और युवा भी नजर आ रहे हैं। मतदान से पहले हो रहे इस ताबड़तोड़ जनसंपर्क ने चुनावी चर्चाओं को और तेज कर दिया है। शहर की गलियों से लेकर चौराहों तक अब चुनावी समीकरण, प्रत्याशियों की स्थिति और संभावित परिणाम को लेकर चर्चाओं का दौर चल रहा है। कल सुबह होने वाले मतदान के साथ ही प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी। ऐसे में अंतिम 24 घंटे जहाजपुर के चुनावी मुकाबले के लिए बेहद अहम माने जा रहे हैं।

गुरला के रगसपुरिया में स्वच्छ भारत मिशन का मजाक

चालू होने से पहले ही ताले में कैद सामुदायिक शौचालय, लाखों की लागत से बना भवन शोपीस, पंचायत की लापरवाही उजागर

स्मार्ट हलचल

गुरला / केंद्र और राज्य सरकारें देश को स्वच्छ और खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर हजारों करोड़ रुपए खर्च कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर गांव स्वच्छ हो, हर व्यक्ति को शौचालय की सुविधा मिले। इसी सपने को साक ार करने के लिए गांव-गांव में सामुदायिक शौचालयों का निर्मा करवायाजा रहा है। लेकि न भीलवाड़ा जिले की सुवाणा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत गुरला में इस मिशन की धज्जियां उड़ई जा ही हैं। ताजा मामला ग्राम पंचायत गुरला के रजस्व गांव रगसपुरिया का है। यहां पंचायत द्वारा लाखों रुपए की लागत से एक सामुदायिक शौचालय का निर्माण करवाया गया है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि यह शौचालय अभी चालू भी नहीं हुआ है और इस पर पहले ही ताला जड़ दिया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद से आज तक इसका गेट नहीं खुला।

दीवारों पर नारे, गेट पर ताले - फोटो दे रही है गवाही

हमारे संवाददाता जब मौके पर पहुंचे तो जो नजारा देखा, वह बेहद चौंकाने वाला था। शौचालय की बाहरी दीवार पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा हुआ है - सामुदायिक शौचालय रगसपुरिया, ग्राम पंचायत गुरला, पंचायत समिति सुंवाणा जिला - भीलवाड़ा (राज.) इसके ठीक नीचे स्वच्छ भारत मिशन का लोगो और नारा लिखा है - एक कदम स्वच्छता की ओर और शौचालय का करें उपयोग, रखें जन-जन को निरोग दीवारों पर स्वच्छता का संदेश देती हुई सुंदर चित्रकारी भी की गई है, जिसमें एक पुरुष, एक महिला और एक बच्चे को हाथ धोते हुए दिखाया गया है। दूर से देखने पर लगता है कि कितना सुंदर और उपयोगी शौचालय बना है। लेकिन जैसे ही आप इसके नजदीक जाते हैं, इसकी पोल खुल जाती है। शौचालय के दोनों लोहे है दरवाजे हैं पर बड़े-बड़े ताले लटके हुए हैं। दरवाजों पर जंग लगना शुरू हो गया है, जिससे साफ पता चलता है कि इसे बने हुए कई महीने हो गए हैं और ताले को कभी खोला ही नहीं गया। शौचालय के सामने कोई पक्का फर्श नहीं है, कच्ची मिट्टी और मलबा पड़ा है। न तो पानी का कोई कनेक्शन दिख रहा है, न ही पानी की टंकी। अंदर शौचालय के गड्ढे बने हैं या नहीं, यह भी भगवान भरोसे है क्योंकि इसे देखने के लिए दरवाजा ही नहीं खुल रहा।

ग्रामीणों ने बताया, उद्घाटन का इंतजार करते-करते थक गए

इस संबंध में *स्थानीय जागरूक ग्रामीण ने हमें पूरी जानकारी दी। ओर बताया कि इस सामुदायिक शौचालय का निर्माण लगभग 10. 12 महिने पहले किया गया था। ग्राम पंचायत के माध्यम से इसका निर्माण करवाया। निर्माण के दौरान ग्रामीणों को लगा कि अब गांव में एक अच्छी सुविधा मिलेगी, गांव से बाहर खेतों में काम करने वाले किसानों, मजदूरों और बाहर से आने-जाने वाले राहगीरों को इसका लाभ मिलेगा। लेकिन निर्माण होते ही इसमें ताला लगा दिया और चला गया। उसके बाद से ग्राम पंचायत गुरला के सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी ने इसकी सुध तक नहीं ली। ग्रामीण ने बताया कि 'हमने कई बार सरपंच साहब से कहा कि इस शौचालय को चालू करवाओ, लेकिन सरपंच जी कहते हैं अभी ऊपर से आदेश नहीं आया, अभी हैंडओवर नहीं हुआ। अगर हैंडओवर नहीं हुआ तो ताला क्यों लगाया? और अगर बन गया है तो चालू क्यों नहीं कर रहे?'

कागजों में हो गया भुगतान, धरातल पर बंद

ग्रामीणों का आरोप है कि इस शौचालय के नाम पर पंचायत ने लाखों रुपए का पूरा भुगतान उठा लिया है। सरकारी रिकॉर्ड में यह शौचालय पूर्ण दिखा दिया गया है। लेकिन धरातल पर यह आज भी बंद पड़ा है। यह सीधे-सीधे सरकारी धन का दुरुपयोग है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत सामुदायिक शौचालयों के लिए लगभग 3 स लाख रुपए तक का बजट आता है। अगर इतनी राशि खर्च करने के बाद भी जनता को इसका लाभ न मिले तो यह भ्रष्टाचार नहीं तो और क्या है?

स्वच्छ भारत मिशन की उड़ रही है धज्जियां

आपको बता दें कि स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देना और खुले में शौच की प्रथा को खत्म करना है। सरकार चाहती है कि गांव में कोई भी व्यक्ति खुले में शौच न जाए। इसी के तहत पंचायतों को निर्देश हैं कि सार्वजनिक स्थानों, बस स्टैंड, गांव के चौक और खेतों के रास्ते में सामुदायिक शौचालय बनाए जाएं। लेकिन गुरला पंचायत ने इस मिशन को सिर्फ दीवारों पर पेंटिंग तक सीमित कर दिया। शौचालय बना दिया, फोटो खिंचवा ली, बिल पास करवा लिया और ताला लगा दिया। इससे बड़ा मजाक स्वच्छता के नाम पर और क्या हो सकता है?

महिलाओं और किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी

रगसपुरिया गांव के आसपास कई खेत हैं जहां दिनभर किसान और मजदूर काम करते हैं। यहां से गुजरने वाले राहगीरों के लिए भी यह एकमात्र रास्ता है। महिलाओं को खेतों में काम के दौरान शौच के लिए बहुत परेशानी होती है। अगर यह सामुदायिक शौचालय चालू हो जाता तो महिलाओं को सबसे ज्यादा राहत मिलती। लेकिन पंचायत की इस लापरवाही से महिलाओं को आज भी खेतों में ही जाना पड़ता है।

दोहरा संकटः एक तरफ टूटी सड़क, दूसरी तरफ बंद शौचालय

गुरला पंचायत में विकास के दावे वैसे भी खोखले नजर आ रहे हैं। एक तरफ टीला का खेड़ा से राजपुरा को जोड़ने वाली मुख्य सड़क 12 साल से टूटी पड़ी है, जिसे चंबल परियोजना ने और बर्बाद कर दिया है। उस सड़क पर स्कूली बच्चे कीचड़ में गिर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ रगसपुरिया में बना-बनाया शौचालय ताले में बंद पड़ा है। यानी एक तरफ जो सुविधा है उसे बर्बाद कर दिया और जो नई सुविधा बनाई उसे चालू ही नहीं किया।

क्या कहते हैं नियम?

स्वच्छ भारत मिशन के नियमों के अनुसार, सामुदायिक शौचालय बनने के 15 दिन के अंदर उसे जनता के लिए खोलना अनिवार्य है। उसमें पानी, बिजली, सफाई कर्मी और नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था पंचायत को करनी होती है। लेकिन यहां तो महीनों से ताला लगा है। न तो पानी की व्यवस्था है, न ही कोई देखरेख करने वाला। रगसपुरिया के समस्त ग्रामीणों* ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस सामुदायिक शौचालय की तुरंत जांच की जाए कि इसका निर्माण कितनी लागत से हुआ और भुगतान किसे किया गया। इसे तुरंत प्रभाव से आम जनता के लिए खोला जाए। इसमें पानी की टंकी, नल कनेक्शन और सफाई कर्मचारी की नियुक्ति की जाए। जब तक यह चालू नहीं होता, तब तक संबंधित ग्राम विकास अधिकारी और सरपंच की जिम्मेदारी तय की

जिनेन्द्र की आज्ञा में जीता मुनि, इन्द्रियों का गुलाम बना संसारी

समता वही, जो हालात बदलें मगर मन न डिगे : आचार्य पुलकसागर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा(महेन्द्र नागौरी) शास्त्रीनगर के सूर्यमहल में चातुर्मासिक प्रवचन में राष्ट्र संत आचार्य पुलकसागर महाराज ने साधु और संसारी जीवन का अंतर बेहद स्पष्ट शब्दों में बताया। उन्होंने कहा– 'जो जिनेन्द्र भगवान की आज्ञा को सर्वोपरि मानकर चलता है, वही मुनिराज है और जो इन्द्रियों के पीछे भागता है, वह संसारी है।' आचार्यश्री ने कहा कि संसारी इन्द्रियों का पोषण करता है, जबकि साधु इन्द्रियों की साधना करता है। मुनि के लिए जीवन से भी बड़ी भगवान की आज्ञा होती है। वह इन्द्रियों को विषय भोग में नहीं, बल्कि धर्म-ध्यान और आत्मसाधना में लगाता है। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां कैसी भी हों, जो अपने मन को विचलित नहीं होने देता, वही वास्तविक समताभाव का धारक है।' समता वाला व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी मानसिक संतुलन नहीं खोता। आचार्य पुलकसागर ने श्रद्धा को लेकर भी चेताया– 'शरीर का लुटेरा शरीर लूटता है, धन का लुटेरा धन लूटता है, लेकिन श्रद्धा का लुटेरा सब कुछ लूट लेता है।' उन्होंने कहा कि देव, गुरु और शास्त्र के प्रति श्रद्धा को किसी के बहकावे में आकर कमजोर नहीं करना चाहिए। 16 से 25 सितंबर तक 'पाप नाशनम शिविर' श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि पर्युषण (दशलक्षण) पर्व के दौरान 16 से 25 सितंबर तक सूर्यमहल में दस दिवसीय 'पाप नाशनम शिविर' होगा। शिविर के लिए अब तक सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं पंजीयन करा चुके हैं। प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10 बजे तक प्रवचन तथा शाम 7 से 8 बजे तक आनंद यात्रा एवं आरती हो रही है।

नतीजे से पहले ही सियासी हलचल तेज, किसके सिर सजेगा निगम का ताज..?

3.29 फीसदी कम मतदान से बदला चुनावी गणित, अब निर्दलीय तय करेंगे निगम की तस्वीर

भाजपा ने प्रत्याशियों को जयपुर भेजकर की बाड़ेबंदी, कांग्रेस नतीजे के इंतजार में, 154 निर्दलीयों ने उलझाया गणित, 14 सितंबर को खुलेगा सत्ता का पिटारा...

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । भीलवाड़ा नगर निगम बनने के बाद पहली बार हुए आम चुनाव में घटा मतदान प्रतिशत और बड़ी संख्या में मैदान में उतरे निर्दलीय प्रत्याशी अब सियासी गणित का सबसे बड़ा सवाल बन गए हैं। शहर की 70 वार्डों वाली चुनावी शतरंज में वोट पड़ चुके हैं, लेकिन सत्ता की बाजी अभी बाकी है। मतदान के बाद अब राजनीतिक दलों की निगाहें 14 सितंबर के नतीजों पर टिकी हैं। इस बार चुनाव में घटा मतदान, कांग्रेस के 53 अधिकृत प्रत्याशी, भाजपा के सभी 70 वार्डों में उम्मीदवार और 154 निर्दलीयों की मौजूदगी ने निगम की सत्ता का रास्ता पहले से कहीं ज्यादा पेचीदा कर दिया है। नतीजों से पहले भाजपा की ओर से प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी ने सियासी हलकों में हलचल और बढ़ा दी है, जबकि कांग्रेस फिलहाल परिणाम का इंतजार कर रही है। 70 वार्डों वाले निगम में इस बार 2,96,682 मतदाताओं में से 1,89,390 ने मतदान किया। कुल मतदान 63.84 प्रतिशत रहा, जो वर्ष 2021 के नगर परिषद चुनाव के 67.13 प्रतिशत मतदान के मुकाबले 3.29 प्रतिशत कम है। अब 14 सितंबर को आने वाले नतीजे बताएंगे कि कम मतदान का फायदा किसे मिला और किसका राजनीतिक गणित बिगड़ा। भीलवाड़ा नगर परिषद के वर्ष 2000 से अब तक हुए छह चुनावों का राजनीतिक इतिहास देखें तो भाजपा का दबदबा रहा है। इस दौरान चार बार भाजपा का बोर्ड बना, जबकि एक बार कांग्रेस सत्ता में आई। वर्ष 2000 में भाजपा के विनोद कुमार अग्रवाल चेयरमैन बने। 2005 में कांग्रेस के ओमप्रकाश नराणीवाल ने सभापति की कमान संभाली। वर्ष 2010 में फिर भाजपा का बोर्ड बना। इस दौरान भगवती लाल बहेड़िया सभापति बने, लेकिन 29 अगस्त 2010 को उनके निधन के बाद दिनेश शर्मा ने 31 अगस्त से 15 दिसंबर 2010 तक कार्यवाहक सभापति की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद उपचुनाव में अनिल बल्दवा सभापति बने। वर्ष 2015 में भाजपा की ललिता समदानी चेयरमैन बनीं। बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच उन्हें पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद भाजपा की दीपिका कंवर, फिर ललिता समदानी, कांग्रेस की मंजू पोखरना और बाद में भाजपा की मंजू चेचाणी ने सभापति पद संभाला। वर्ष 2021 में भी नगर परिषद के 70 वार्ड थे। भाजपा को 31, कांग्रेस को 22 और निर्दलीयों को 17 वार्ड मिले थे। स्पष्ट बहुमत किसी दल को नहीं मिलने के बाद राजनीतिक जोड़तोड़ के जरिए भाजपा ने बोर्ड बनाया और राकेश पाठक चेयरमैन बने। बाद में राज्य सरकार ने नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत किया तो राकेश पाठक भीलवाड़ा के पहले महापौर बने। ऐसे में इस बार का चुनाव भाजपा के लिए सिर्फ बोर्ड बनाने का नहीं, बल्कि पिछले राजनीतिक वर्चस्व को कायम रखने की चुनौती भी है। मतगणना में अभी समय है, लेकिन भाजपा ने परिणाम आने से पहले ही अपने प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी है। भाजपा ने अपने सभी प्रत्याशियों को फोन कर बुलाया और देर रात बसों के जरिए उन्हें जयपुर की ओर रवाना किया। इस दौरान सांसद दामोदर अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा और पूर्व विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी भी मौजूद रहे। बताया गया कि सभी प्रत्याशियों के मोबाइल फोन स्विच ऑफ करवा दिए गए। इस घटनाक्रम ने चुनाव परिणाम से पहले ही राजनीतिक हलकों में चर्चाओं को तेज कर दिया है। भाजपा की ओर से बाड़ेबंदी को लेकर अपने स्तर पर संगठनात्मक रणनीति बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे बहुमत के आंकड़े को लेकर सतर्कता के तौर पर देखा जा रहा है।

कांग्रेस 53 पर सिमटी, भाजपा ने सभी 70 वार्डों में उतारे प्रत्याशी

इस चुनाव में दोनों प्रमुख दलों की चुनावी तैयारी में बड़ा अंतर दिखाई दिया। भाजपा ने सभी 70 वार्डों में अपने अधिकृत प्रत्याशी मैदान में उतारे, जबकि कांग्रेस महज 53 वार्डों में ही अधिकृत प्रत्याशी खड़े कर सकी। कांग्रेस के कई प्रत्याशियों को समय पर चुनाव चिह्न नहीं मिल पाने का असर सीधे उसके चुनावी आंकड़े पर पड़ा। हालांकि मैदान में केवल भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने नहीं हैं। 154 निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी चुनावी समीकरणों को उलझा दिया है। कई वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी दोनों प्रमुख दलों के अधिकृत प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर देते नजर आए। ऐसे में 14 सितंबर को आने वाला परिणाम केवल भाजपा-कांग्रेस की जीत-हार नहीं बताएगा, बल्कि यह भी तय करेगा कि निर्दलीयों ने किस दल का खेल बिगाड़ा।

कांग्रेस खामोश, निर्दलीयों पर भी निगाहें

दूसरी ओर कांग्रेस फिलहाल नतीजों का इंतजार कर रही है। कांग्रेस के अधिकृत रूप से 53 प्रत्याशी ही चुनाव मैदान में थे। कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार को अपेक्षाकृत शांत माहौल रहा। पार्टी के प्रत्याशियों से बाड़ेबंदी को लेकर फिलहाल किसी पदाधिकारी के संपर्क किए जाने की जानकारी सामने नहीं आई है। निर्दलीय प्रत्याशी भी अभी राजनीतिक दलों से दूरी बनाए हुए हैं। किसी निर्दलीय प्रत्याशी ने फिलहाल किसी राजनीतिक दल से फोन आने या बाड़ेबंदी में बुलाए जाने की पुष्टि नहीं की है। लेकिन जिन वार्डों में निर्दलीयों का प्रदर्शन मजबूत रहा है, वहां परिणाम के बाद इनकी भूमिका अचानक महत्वपूर्ण हो सकती है।

सबसे बड़ा सवाल:भाजपा फिर बनाएगी बोर्ड या कांग्रेस करेगी वापसी?

इस बार चुनाव में कम मतदान, कांग्रेस के कम अधिकृत प्रत्याशी, भाजपा का सभी 70 सीटों पर उतरना और 154 निर्दलीयों की मौजूदगी-इन चारों फैक्टर ने निगम चुनाव का गणित बेहद दिलचस्प बना दिया है। कई वार्डों में बागियों ने भी अधिकृत प्रत्याशियों के सामने चुनौती पेश की है। यही वजह है कि परिणाम से पहले शहर में सबसे बड़ा सवाल यही हैकृक्या भाजपा एक बार फिर नगर निगम की सत्ता पर काबिज होगी या कांग्रेस इस बार राजनीतिक समीकरण पलटकर वापसी करेगी? यदि किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो 2021 की तरह एक बार फिर निर्दलीय पार्षद सत्ता की चाबी अपने हाथ में ले सकते हैं। अब सभी निगाहें 14 सितंबर की मतगणना पर टिकी हैं। उसी दिन साफ होगा कि 70 वार्डों की जनता ने किसे नगर निगम की कमान सौंपी और किसके राजनीतिक दावों की हवा निकल गई।

रायपुर-जैतारण में आज मतदान, 32,806 मतदाता करेंगे वोट

50 वार्डों के लिए मतदान दल रवाना, सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाक-चौबंद

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर । नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के द्वितीय चरण में शुक्रवार को जिले की रायपुर और जैतारण नगरपालिकाओं में मतदान होगा। मतदान को लेकर गुरुवार को दोनों नगरपालिकाओं के 50 वार्डों के लिए मतदान दलों को आवश्यक निर्वाचन सामग्री के साथ निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना ने बताया कि रायपुर और जैतारण में कुल 50 मतदान केंद्रों पर मतदान कराया जाएगा। मतदान दलों को संबंधित रिटर्निंग अधिकारी कार्यालयों से रवाना किया गया। दलों को निर्वाचन सामग्री उपलब्ध कराने के साथ मतदान प्रक्रिया एवं आयोग के दिशा-निर्देशों के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया गया। उन्होंने मतदान कार्मिकों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि सभी कार्मिक राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पूरी पालना करते हुए मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराएं।

रायपुर में 13,927, जैतारण में 18,879 मतदाता

रायपुर नगरपालिका के 25 वार्डों में 13,927 तथा जैतारण नगरपालिका के 25 वार्डों में 18,879 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। दोनों निकायों में कुल 32,806 मतदाता मतदान करेंगे।

पुख्ता रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

मतदान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मतदान केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस मोबाइल यूनिट द्वारा लगातार गश्त की जाएगी। प्रशासन ने शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

जिले में एपीएल से अंत्योदय में अवैध रूप से बदले गए 546 राशन कार्ड चिन्हित

प्रति यूनिट 5 किलो की जगह 35 किलो गेहूं का लाभ लेने के लिए श्रेणी परिवर्तन का आरोप; नोटिस के साथ खाद्यान्न वसूली की होगी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, राजस्थान, जयपुर से प्राप्त सूची के आधार पर भीलवाड़ा जिले में एपीएल श्रेणी से अंत्योदय अन्न योजना में अवैध रूप से परिवर्तित किए गए 546 राशन कार्ड चिन्हित किए गए हैं। विभाग के अनुसार इन राशन कार्डों की श्रेणी में अनधिकृत तरीके से बदलाव किया गया। प्राप्त सूची के अनुसार संबंधित राशन कार्ड धारकों द्वारा प्रति यूनिट 5 किलोग्राम गेहूं के स्थान पर 35 किलोग्राम गेहूं का लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से राशन कार्ड की श्रेणी में यह अवैध परिवर्तन करवाया गया।

546 राशन कार्ड धारकों को जारी होंगे नोटिस

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा सूची में शामिल सभी 546 राशन कार्ड धारकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। साथ ही संबंधित राशन कार्डों की श्रेणी को पुन: परिवर्तित किया जाएगा। विभाग के निर्देशानुसार अब तक प्राप्त किए गए अतिरिक्त खाद्यान्न की नियमानुसार वसूली की कार्रवाई भी की जाएगी।

ई-मित्र संचालकों पर भी कार्रवाई की तैयारी

जिला रसद अधिकारी विजेंद्र पाल ने बताया कि राशन कार्ड की श्रेणी को अवैध रूप से परिवर्तित करने में सहयोग करने वाले ई-मित्र संचालकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को सूचना भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि राशन कार्डों को अंतिम रूप से स्वीकार करने वाले प्राधिकृत अधिकारियों के संबंध में भी संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए लिखा जा रहा है। इनमें जिला रसद अधिकारी, विकास अधिकारी और अधिशासी अधिकारी स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

जिम्मेदारी तय करने की कवायद

विभाग की कार्रवाई केवल राशन कार्ड धारकों तक सीमित नहीं रहेगी। श्रेणी परिवर्तन की प्रक्रिया में यदि किसी ई-मित्र संचालक या प्राधिकृत अधिकारी की भूमिका सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अब 546 राशन कार्डों की श्रेणी दोबारा निर्धारित होने के साथ खाद्यान्न की वसूली और कथित अनधिकृत परिवर्तन में शामिल लोगों की जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

अवैध बजरी परिवहन पर बनेठा पुलिस की कार्रवाई बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त,

पुलिस को देखकर बजरी सड़क किनारे पानी-कीचड़ में खाली करने का आरोप-पुलिस ने चालक को दिखाया फरार-ट्रॉली में मिली 15-20 परात बजरी; मामला दर्ज,

मौके की कार्रवाई के ई-साक्ष्य ऐप पर वीडियोग्राफी-फोटोग्राफी नहीं होने से पुलिस कार्यशैली पर गंभीर सवाल

स्मार्ट हलचल

टोंक/बनेठा। अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्रवाई क रते हुए बनेठा थाना पुलिस ने 9 सितंबर 2026 को खददो की झोपड़ियां क्षेत्र में बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर चालक पर पुलिस को चकमा देकर खेतों में फरार होने का कथित आरोप हैं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई सुरेली रोड से खददो की झोपड़ियां की तरफ जाने वाले रास्ते पर की गई। रिपोर्ट के मुताबिक हेड कांस्टेबल दयाराम जाट मय जाप्ता फैज मोहम्मद तथा 112 वाहन चालक कालूराम गश्त एवं बदमाशान की निगरानी के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान सुरेली रोड पर मुखबिर से सूचना मिली कि एक ट्रैक्टर-ट्रॉली बनास नदी की बजरी से भरी हुई सुरेली की तरफ से खददो की झोपड़ियां की ओर जा रही है। सूचना पर पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। रिपोर्ट में बताया गया है कि 9 सितम्बर की शाम करीब 3:40 बजे खददो की झोपड़ियां से सुरेली की तरफ जाने वाले रास्ते पर पुलिस को बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली दिखाई दी। पुलिस द्वारा दूर से इशारा कर ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवाने का प्रयास किया गया तो चालक ने ट्रॉली में भरी बजरी को रास्ते में भरे बारिश के पानी एवं कीचड़ में खाली कर दिया तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर भागने लगा। पुलिस ने चालक का पीछा किया, लेकिन वह खेतों में उग रही फसल के बीच से भागने में सफल हो गया। इसके बाद मौके पर छोड़े गए ट्रैक्टर-ट्रॉली की जांच की गई तो ट्रॉली में करीब 15-20 परात बजरी भरी हुई मिली।

ई-साक्ष्य ऐप पर मौका कार्रवाई की वीडियो-फोटोग्राफी नहीं- पुलिस कार्यशैली पर सवाल

वहीं, बनेठा थाना पुलिस द्वारा खददो की झोपड़ियां गांव में अवैध बजरी परिवहन के मामले में की गई मौका कार्रवाई के ई-साक्ष्य ऐप पर वीडियो एवं फोटोग्राफी दर्ज नहीं होने को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। अलग से वीडियोग्राफी का जिक्र भी नहीं है। क्षेत्र में चर्चा है कि जब-जब हेड कांस्टेबल दयाराम जाट की गश्त ड्यूटी के दौरान कार्रवाई हुई, तब-तब मौका कार्रवाई के ई-साक्ष्य तैयार किए जाने को लेकर सवाल सामने आए हैं। हालांकि इन चर्चाओं की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि मौके की कार्रवाई के दौरान ई-साक्ष्य क्यों दर्ज नहीं किए गए? क्या कार्रवाई के समय तकनीकी अथवा अन्य कोई कारण था? यदि ई-साक्ष्य बनाने की व्यवस्था उपलब्ध थी तो मौके की वीडियो एवं फोटोग्राफी क्यों नहीं की गई? इन सवालों का जवाब पुलिस विभाग की ओर से स्पष्ट किया जाना बाकी है। खास बात यह भी है कि पुलिस रिपोर्ट में मौके की कार्रवाई, वाहन की जब्ती और बजरी से संबंधित कार्रवाई का विस्तृत उल्लेख है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट में मौके की ई-साक्ष्य ऐप पर वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी नहीं होने की बात सामने आती है।

बिना नंबर का ट्रैक्टर, इंजन-चेसिस नंबर से हुई पहचान

पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर महिंद्रा 575 डीआई, लाल रंग का था। ट्रैक्टर-ट्रॉली पर कोई रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नहीं पाया गया। ट्रैक्टर का इंजन नंबर RSE2GDA4364 तथा चेसिस नंबर MBN-GAALLZSRE01364 पाया गया। पुलिस रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि ट्रॉली में पूर्व में करीब 6 टन बजरी भरी हुई थी, जिसे चालक द्वारा पुलिस जाप्ते को देखकर रास्ते में भरे बारिश के पानी एवं कीचड़ में खाली कर दिया गया।

BNS और MMDR ष्ह्र के तहत मामला दर्ज

पुलिस रिपोर्ट में सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के तहत अवैध बजरी खनन एवं परिवहन पर प्रतिबंध का हवाला देते हुए प्रतिबंधित बनास नदी क्षेत्र से अवैध बजरी खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर परिवहन करने को BNS की धारा 303(2) एवं MMDR Act की धारा 4/21 के तहत दंडनीय अपराध बताया गया है। पुलिस ने जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा करवाया। रिपोर्ट के अनुसार मौके पर स्वतंत्र गवाह बनाने का भी प्रयास किया गया, लेकिन आपसी रंजिश एवं कोर्ट-कचहरी के डर के कारण कोई स्वतंत्र गवाह बनने को तैयार नहीं हुआ। मामले की जांच उपनिरीक्षक जसवंत सिंह शेखावत को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार प्रकरण में नियमानुसार अनुसंधान एवं आगे की कार्रवाई जारी है।

सवाल: जब कार्रवाई मौके पर हुई, वाहन जब्त हुआ और पुलिस ने विस्तृत मौका कार्रवाई दर्ज की, तो फिर ई-साक्ष्य ऐप पर मौके की वीडियो-फोटोग्राफी क्यों नहीं हुई? क्या पुलिस विभाग इस पर स्पष्टीकरण देगा?

अन्नपूर्णा रसोई में इल्लियां, 25 किलो सड़ी-गली खाद्य सामग्री नष्ट

कान्हा सुपर मार्ट में भी अवधिपार खाद्य सामग्री मिली, खाद्य सुरक्षा दल ने लिए कई सैंपल

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा दल ने ब्यावर में अन्नपूर्णा रसोई अमृतकौर अस्पताल, श्री सीमेंट कैंटीन एवं कान्हा सुपर मार्ट का औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान अन्नपूर्णा रसोई में सड़ी-गली व बदबूदार सब्जियां तथा आटा, बेसन और दाल में इल्लियां मिलीं। करीब 25 किलो खराब खाद्य सामग्री जब्त कर मौके पर नष्ट कराई गई। वहीं कान्हा सुपर मार्ट में ब्रेड, चिप्स, नमकीन, दलिया, शक्कर और जूस सहित अन्य अवधिपार सामग्री मिली, जिसे मौके पर नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा दल ने सूखे मेवे, घी, तेल और आटे के नमूने लेकर जांच के लिए अजमेर लैब भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं स्वच्छता बनाए रखने तथा भविष्य में ऐसी अनियमितता नहीं करने के लिए पाबंद किया गया। कार्रवाई जिला कलक्टर कमल राग गीणा के निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ. संजय गहलोत के मार्गदर्शन में की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायण सिंह, विक्रम बेडा, कुलदीप सिंह एवं दशरथ सिंह कार्रवाई में शामिल रहे। सीएमएचओ डॉ. गहलोत ने आमजन से अपील की कि खाद्य सामग्री खरीदते समय पैकिंग व निर्माण तिथि, निर्माता का विवरण और अन्य आवश्यक जानकारी जांचकर ही सामग्री खरीदें।

जहाजपुर नगरपालिका चुनाव में बड़ा उलटफेर

वार्ड 9 में निर्दलीय सत्यनारायण कीर ने कांग्रेस प्रत्याशी महावीर माली को दिया समर्थन, भाजपा से नाराजगी का जताया दावा

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर अलकेश पारीक जहाजपुर। नगर पालिका चुनाव के बीच वार्ड नंबर 9 में सियासी समीकरणों में बड़ा बदलाव सामने आया है। वार्ड से निर्दलीय उम्मीदवार सत्यनारायण कीर ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा चुनाव में कीर समाज की कथित उपेक्षा से नाराजगी जताते हुए कांग्रेस प्रत्याशी महावीर माली को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। पूर्व राज्यमंत्री धीरज गुर्जर के सान्निध्य में हुए इस घटनाक्रम के बाद वार्ड नंबर 9 की चुनावी तस्वीर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। समर्थन की घोषणा करते हुए सत्यनारायण कीर ने कीर समाज के लोगों से कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कीर ने भाजपा पर समाज की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए समाजबंधुओं से एकजुट होकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने और भाजपा को चुनाव में जवाब देने का आह्वान किया। चुनाव के अंतिम दौर में सामने आए इस घटनाक्रम को कांग्रेस के लिए वार्ड नंबर 9 में महत्वपूर्ण राजनीतिक समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं, भाजपा के लिए यह घटनाक्रम वार्ड में नए सियासी समीकरण खड़े कर सकता है। अब देखना होगा कि मतदान के दिन यह समर्थन वोटों में कितना तब्दील होता है और वार्ड नंबर 9 के चुनावी परिणाम पर इसका कितना असर पड़ता है।

पेशी पर बुलाया, फिर अफसर ही गायब!

श्रम न्याय के लिए भटकते रहे श्रमिक; खुले कमरों में जलती रहीं लाइटें, विरोध के बाद पहुंचे निरीक्षक

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा(महेन्द्र नागौरी) श्रमिकों को न्याय दिलाने का जिम्मा संभालने वाले श्रम विभाग की कार्यशैली पर गुरुवार को गंभीर सवाल खड़े हो गए। पेशी की तारीख देकर श्रमिकों को कार्यालय बुलाया गया, लेकिन सुनवाई के समय जिम्मेदार अधिकारी नजर नहीं आए। दोपहर 2 से 3 बजे तक श्रमिक इंतजार करते रहे। कार्यालय के कई कमरे खुले थे, लाइटें जल रही थीं, लेकिन उनकी फरियाद सुनने वाला कोई नहीं था। काफी देर इंतजार के बाद श्रमिकों ने आपत्ति और विरोध जताया, तब श्रम निरीक्षक आशीष यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि संबंधित फाइल कानसिंह के पास है और उनके पास उपलब्ध नहीं है। श्रमिकों का आरोप है कि फैक्ट्री मालिक द्वारा सेवा से पृथक करने, ओवरटाइम और बकाया वेतन का भुगतान नहीं करने सहित कई मामलों को लेकर वे लंबे समय से विभाग के चक्कर काट रहे हैं। उनका कहना है कि शिकायतों के बावजूद समय पर सुनवाई नहीं होने से न्याय की प्रक्रिया अटक गई है। मानसिंह, जितेंद्र पटेल, संपत शर्मा, बसंत पंडित, सुनील, नीरज कुमार और बाबूलाल सहित श्रमिकों ने आक्रोश जताते हुए जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप और उनकी शिकायतों की समयबद्ध सुनवाई की मांग की। श्रमिकों ने कहा कि लंबे समय से बेरोजगारी और आर्थिक परेशानियों के कारण वे बेहद तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं पर तत्काल सुनवाई नहीं हुई तो वे जिला कलेक्टर के समक्ष अपनी गंभीर स्थिति और न्याय की मांग को लेकर सामूहिक रूप से गुहार लगाएंगे। साथ ही उन्होंने प्रशासन से किसी भी अप्रिय स्थिति से पहले उनकी समस्याओं का समाधान कराने की अपील की। सवाल यह है—पेशी की तारीख देकर बुलाया किसने और सुनवाई करेगा कौन? आखिर श्रमिकों को न्याय के लिए कब तक दफ्तर-दफ्तर भटकना पड़ेगा?

भादवी छठ पर भीलवाड़ा में गूंजेगा देव नारायण का जयघोष

16 सितंबर को पालना जी से निकलेगी भव्य देव ध्वज शोभायात्रा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / लोकदेवता भगवान श्री देवनारायण जी के जन्मोत्सव भादवी छठ पर 16सितंबर को भीलवाड़ा में आस्था का सैलाब उमड़ेगा। अखिल भारतीय मेवाड़ा गाडरी महासभा के तत्वावधान में विशाल देव ध्वज शोभायात्रा निकाली जाएगी। उदयपुर संभाग युवा अध्यक्ष भैरूलाल खायड़ा के अनुसार शोभायात्रा सुबह 10.15 बजे पालना जी स्थित श्री देवनारायण मंदिर से पूजा-अर्चना के बाद रवाना होगी। गाजे-बाजे और पारंपरिक देव ध्वजों के साथ यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए हरणी स्थित श्री द्वारकाधीश जी, गाडरी समाज मंदिर पहुंचेगी, जहां धर्मसभा के साथ समापन होगा। महासभा ने समाजजनों और देवभक्तों से बड़ी संख्या में शामिल होकर भक्ति और आस्था के इस आयोजन को भव्य बनाने का आह्वान किया है।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-2026 में वित्तीय समावेशन की नई पहल

शाखा से बाहर निकली बैंकिंग, एटीएम से अब तुरंत मिलेगा रुपे कार्ड, यूपीआई से मिलेगा क्रेडिट

डिजिटल बैंकिंग में बड़ा बदलाव, किसान-मुद्रा खातों को यूपीआई से जोड़ा, आधार से दूसरे के खाते में नकद जमा भी संभव...

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । बैंकिंग सुविधाओं को शाखाओं की चारदीवारी से बाहर निक ालकर सीधे आमजन तक पहुंचाने क ी दिशा में केंद्र सरकार ने डिजिटल बै ंकिंग के क्षेत्र में कई

अहम पहल शुरू की हैं। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-2026 में वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया ने ऐसे नवाचारों का शुभारंभ किया, जिनसे अब एटीएम केवल नकदी निकालने की मशीन नहीं रहेंगे, बल्कि कार्ड जारी करने, यूपीआई भुगतान और अन्य बैंकिंग सेवाओं के केंद्र के रूप में काम कर सकेंगे। कार्यक्रम में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ विजय भी मौजूद रहे। नई व्यवस्था के तहत ओपन-सोर्स एंड्रॉयड आधारित एटीएम से ग्राहक सेल्फ-सर्विस प्रक्रिया के जरिए तत्काल रुपे डेबिट, क्रेडिट और एनसीएमसी कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें कार्ड की कूरियर से डिलीवरी का इंतजार करने या बैंक शाखा जाने की जरूरत नहीं होगी। यही मशीनें व्यापारियों के लिए यूपीआई क्यूआर कोड भी जारी करेंगी। इसके अलावा चेक जमा करने, खाता खोलने और ऋण के लिए आवेदन जैसी बैंकिंग सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इस पहल से एटीएम को महज नकदी लेन-देन के माध्यम से आगे बढ़ाकर स्मार्ट बैंकिंग सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी है। बैंकों द्वारा इन एटीएम को डिजिटल बैंकिंग यूनिट के रूप में इस्तेमाल करने की संभावनाएं भी तलाश की जा रही हैं। इससे अर्धशहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हो सकेगा, जहां पारंपरिक बैंक शाखाओं का नेटवर्क सीमित है। इन मशीनों को मेट्रो स्टेशन, ट्रांजिट हब, एयरपोर्ट, शैक्षणिक परिसरों और कॉर्पोरेट पार्कों जैसे स्थानों पर भी लगाया जा सकता है। इससे यात्रियों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को मौके पर ही कार्ड जारी कराने जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक और एयरटेल पेमेंट्स बैंक समेत नौ बैंक इस समाधान की संभावनाएं तलाश रहे हैं। वित्तीय समावेशन की दूसरी बड़ी पहल के तहत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के पात्र लाभार्थी अपनी स्वीकृत क्रेडिट सीमा का उपयोग यूपीआई के जरिए व्यापारियों को भुगतान करने में कर सकेंगे। आरबीआई ने सितंबर 2023 में 'यूपीआई पर क्रेडिट लाइन' की सुविधा शुरू करने का रास्ता साफ किया था। अब इसे प्रमुख सरकारी ऋण योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। केसीसी के 7.7 करोड़ से अधिक सक्रिय खातों में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृत ऋण सीमा है, जबकि मुद्रा योजना के तहत 57 करोड़ से अधिक ऋणों की कुल राशि 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है। ऐसे में यूपीआई से इन क्रेडिट सुविधाओं को जोड़ने से किसानों और छोटे कारोबारियों के लिए डिजिटल तरीके से ऋण का इस्तेमाल आसान होने की उम्मीद है। तीसरी अहम पहल आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के तहत थ्री-पार्टी कैश डिपॉजिट की है। इसके जरिए पंजीकृत जमाकर्ता आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के माध्यम से एईपीएस टचपॉइंट ऑपरेटर के जरिए अपने परिवार के सदस्य या किसी अन्य प्रियजन के बैंक खाते में सीधे नकद जमा कर सकेगा। लेन-देन से पहले लाभार्थी के नाम की पुष्टि एसएमएस के माध्यम से की जाएगी। इससे गलत खाते में राशि जमा होने की आशंका कम होगी और लेन-देन में सुरक्षा व भरोसा बढ़ेगा। थ्री-पार्टी कैश डिपॉजिट व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा उन ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों को मिलने की उम्मीद है, जहां बैंक शाखाएं दूर हैं। ग्राहक को नकद जमा करने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। डिजिटल रूप से कम दक्ष लोगों के लिए भी यह असिस्टेड बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराएगी। इस सेवा के लिए एयरटेल पेमेंट्स बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, फिनो बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इंडियन बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, करूर वैश्य बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक सहित कई बैंक सक्षम किए गए हैं। कुल मिलाकर, नई पहलों का फोकस बैंकिंग सेवाओं को शाखा और नकदी केंद्रित व्यवस्था से निकालकर कार्ड, यूपीआई, आधार और डिजिटल तकनीक के जरिए घर-दुकान और गांव-कस्बे के करीब पहुंचाने पर है।

ध्वजारोहण व पंचामृत अभिषेक से दादीधाम महोत्सव का शुभारंभ

नन्दमहोत्सव में भजनों पर झूमे श्रद्धालु, बाल कान्हा का हुआ भव्य स्वागत

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। अजमेर रोड स्थित श्री मंदिर दादीधाम में दो दिवसीय भाद्रपद अमावस्या एवं नन्द महोत्सव का शुभारंभ ध्वजारोहण और दादीजी के पंचामृत अभिषेक के साथ हुआ। दादी परिवार न्यास के कोषाध्यक्ष गणेशप्रसाद बुधिया ने बताया कि सुबह 9 बजे न्यास के वरिष्ठ उपाध्यक्ष माणक डाणी ने पूजित ध्वजा मंदिर शिखर पर चढ़ाई। इसके बाद दादीजी के चल विग्रह का पंचामृत से अभिषेक किया गया। गर्भगृह में दादीजी का सर्वांग श्रृंगार कर लहरिया वस्त्रों से आकर्षक सजावट की गई। दोपहर 4 बजे आयोजित नन्दमहोत्सव में कृष्णदिवानी चंचल सोनी एवं शालिनी शर्मा ने गणेश वंदना के साथ भक्ति एवं बधाई गीत प्रस्तुत किए। नन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की सहित विभिन्न बधाई गीतों पर श्रद्धालु भक्ति में झूम उठे। महोत्सव के दौरान बाल कान्हा रेयान अग्रवाल को मंदिर के मुख्य पुजारी पप्पू झा ने वासुदेव का स्वरूप धारण कर यशोदा मैया की गोद में सौंपा। श्रद्धालुओं ने कान्हा की नजर उतारकर लाड़ लड़ाए। इस दौरान मुद्रा, खिलौने, टॉफी एवं माखन-मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में महामंत्री केदार गर्ग, बद्रीप्रसाद गर्ग, सुशील गर्ग, सुरेश वैष्णव, चेतनप्रकाश जोशी, कुसुम डाणी, मधु डाणी, खुशबू सिंघल, पूर्वा डाणी, शिखरानी अग्रवाल, जयश्री बंसल, सोनल गर्ग, ऊषा गर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महामंत्री केदार गर्ग ने बताया कि शुक्रवार को अमावस्या के अवसर पर सुबह 5.15 बजे मंगला आरती के बाद दिनभर पूजा, धोक एवं जात का आयोजन होगा। दोपहर 2 बजे गर्ग परिवार की ओर से मंगलपाठ होगा, जिसमें गंगा गर्ग एवं शशि गोयल संगीतमय मंगलपाठ प्रस्तुत करेंगी। वहीं दो दिवसीय दादी मेले में झूले, चकरी, मनिहारी एवं सजावटी सामान की दुकानें भी लगाई गई हैं।

रेलवे स्टेशन एवं रेल परिसर में गंदगी फैलाने पर अब 1,000 का जुर्माना

कचरा फैलाने और थूकने सहित स्वच्छता नियमों का उल्लंघन पड़ेगा महंगा, भुगतान नहीं करने पर न्यायालय में होगी पेशी

कोटा। रेलवे स्टेशन, ट्रेन और अन्य रेल परिसरों में गंदगी फैलाना अब महंगा पड़ेगा। रेल मंत्रालय ने स्वच्छता संबंधी नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने के प्रावधान में बदलाव किया है। नए नियमों के अनुसार रेलवे परिसर में गंदगी फैलाने पर अब ?1,000 का जुर्माना लगेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, कोटा श्री सौरभ जैन ने बताया कि रेल मंत्रालय द्वारा भारतीय रेल (रेल परिसर में स्वच्छता को प्रभावित करने वाले क्रियाकलाप हेतु शास्तियां) नियम, 2012 में संशोधन किया गया है। संशोधित नियम राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से प्रभावी हो गए हैं। नए प्रावधान के तहत रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, ट्रेन अथवा अन्य रेल परिसर में कचरा फेंकने, थूकने या अन्य तरीके से गंदगी फैलाने पर ?1,000 का जुर्माना लगेगा। इसके अलावा अनधिकृत स्थान पर खाना बनाना, नहाना, कपड़े या बर्तन धोना, वाहन धोना तथा रेल संपत्ति को गंदा करना भी नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। यदि कोई व्यक्ति ?1,000 का जुर्माना नहीं चुकाता है, तो उसे सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा, जहां न्यायालय द्वारा ?2,000 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज, ट्रेन एवं अन्य रेल परिसरों में कचरा न फैलाएं, इधर-उधर न थूकें और कचरा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें। रेलवे स्टेशनों को साफ-सुथरा रखने में यात्रियों का सहयोग भी बेहद जरूरी है।

सिर्फ सुनने से नहीं जागेगा जीवन, धर्म को आचरण में उतारना होगा साध्वी चंचल कंवर

पर्युषण के तीसरे दिन दान, शील, तप और भावना का संदेश... 'धन बढ़े तो दान करो, मन चढ़े तो ध्यान करो...

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) पर्युषण पर्व के तीसरे दिन प्राज्ञ भवन धर्ममय वातावरण में डूबा रहा। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में आचार्य प्रवर पूज्य गुरुदेव श्री 1008 रामलालजी महाराज साहब, उपाध्याय प्रवर बहुश्रुत वाचनाचार्य श्री राजेश मुनिजी महाराज साहब की आज्ञानुवर्तिनी शासन दीपिका श्री चंचल कंवरजी महाराज साहब आदि ठाणा के सान्निध्य में धर्मसभा हुई। शासन दीपिका श्री चंचल कंवरजी महाराज साहब ने प्रवचन में जीवन को सार्थक बनाने का मंत्र देते हुए कहा कि "सुनना, समझना और करना—इन्हीं तीनों के मेल से जीवन में वास्तविक जागरण होगा।" उन्होंने कहा कि जिनवाणी जीवन जीने की कला सिखाती है, लेकिन केवल प्रवचन सुन लेना पर्याप्त नहीं है। धर्म तब सार्थक होगा, जब उसकी सीख व्यवहार और आचरण में दिखाई दे। उन्होंने कहा कि गृहस्थ जीवन में धर्म-साधना के लिए समय सीमित है, ऐसे में भगवान ने मोक्षमार्ग की ओर बढ़ने के लिए दान, शील, तप और भावना का मार्ग बताया है। जैसे एक छोटा-सा बीज समय के साथ हजारों फल देता है, उसी तरह धर्म के क्षेत्र में बोया गया पुण्य का बीज भविष्य में मोक्ष का फल देता है।

धन बढ़े तो दान करो...

महाराज साहब ने संपत्ति की तीन गतियां बताते हुए कहा—अर्जन, सर्जन और विसर्जन। धन कमाना ही जीवन का उद्देश्य नहीं है। अर्जित संपत्ति का उचित विसर्जन यानी जरूरतमंदों और धर्म के कार्यों में दान करना भी जरूरी है। उन्होंने प्रेरक संदेश दिया—"दान दिए बिना सोना नहीं, दान देकर रोना नहीं। तन बढ़े तो व्यायाम करो, मन चढ़े तो ध्यान करो और धन बढ़े तो दान करो।"

प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साहः-

प्रवचन के बाद कर्मबंधन एवं मोहनीय कर्म पर आधारित प्रतियोगिता हुई। इसमें पूर्णिमा भूरा प्रथम, श्रुति रूगलेजा द्वितीय और ललिता दोसर तृतीय रहीं। दोपहर 2 बजे "भाग्य और पुरुषार्थ" विषय पर आधारित प्रतियोगिता में 15 टीमों ने भाग लिया। इसमें आशा बम, सुनीता बागचार व सीमा पानगड़िया ग्रुप प्रथम, सीमा डागी, दीपा चौधरी व ललिता लासोड़ ग्रुप द्वितीय तथा ज्योति कोठारी, अभिलाषा पानगड़िया व इंदिरा नागौरी ग्रुप तृतीय रहा। श्रावक संघ मंत्री पारसमल कूकड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। संघ अध्यक्ष गोवर्धन सिंह कांवडिया ने बताया कि 13 सितंबर को गुरुदेव श्री पन्नालाल जी महाराज साहब की जन्म जयंती सामूहिक दया दिवस एवं भिक्षु दया दिवस के रूप में मनाई जाएगी। महिला मंडल अध्यक्ष मधु लोढ़ा एवं मंत्री अर्पिता हांसा ने आगामी प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। 11 सितंबर को "होगा मिलान तो मिलेगा इनाम" प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें सभी धर्मप्रेमियों को आमंत्रित किया गया है।

धर्मसभा में नाथूलाल छाजेड़, दलपत डांगी, सुभाष सकलेचा,

धनपत नाहर, दरियाव सिंह, अशोक लसोड़ सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

हजारों श्रद्धालुओं के साथ निकली श्री देवनारायण महाराज की विशाल यात्रा, केसरा चौराहे पर हुआ भव्य स्वागत

कुंडा क्षेत्र के गांव-गांव से निकले झंडे, 20 से 30 हजार यात्रियों के पहुंचने का अनुमान; राजपूत-गुर्जर समाज ने संभाली सेवा की जिम्मेदारी

स्मार्ट हलचल

मंडावर। उपखंड मुख्यालय के समीप केसरा गांव में श्री देवनारायण महाराज केप्रति आस्था और श्रद्धा का अद्भुत नजारा उस समय देखने को मिला, जब नगर कठुंबर-डीग के कुंडा क्षेत्र से श्री देवनारायण महाराज मंदिर, जोधपुर के लिए विशाल धार्मिक यात्रा रवाना हुई। यात्रा में कुंडा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से श्रद्धालु अपने-अपने गांव के झंडों के साथ शामिल हुए। यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने के चलते करीब 20 से 30 हजार यात्रियों के जोधपुर स्थित श्री देवनारायण महाराज मंदिर पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। गांव-गांव से निकले झंडों और श्रद्धालुओं के जत्थों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया।

केसरा चौराहे पर श्रद्धालुओं का जोरदार स्वागत

विशाल यात्रा के केसरा चौराहे पहुंचने पर गांव की बस्ती की ओर से श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत-सम्मान किया गया। यात्रियों के लिए करीब

एक से दो घंटे तक ठहरने एवं सेवा की व्यवस्था की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं को नाश्ता कराया गया तथा ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ उनकी सेवा की। इस सेवा कार्य में गांव केसरा के राजपूत समाज एवं गुर्जर समाज सहित पूरी बस्ती के लोगों ने एकजुट होकर भागीदारी निभाई। ग्रामीणों की ओर से किए गए स्वागत से यात्रा में शामिल श्रद्धालु भी उत्साहित नजर आए।

स्वर्गीय राम सिंह पटेल परिवार की ओर से भी निकाला गया झंडा

इस धार्मिक यात्रा में गांव केसरा से स्वर्गीय राम सिंह पटेल के परिवार की ओर से भी एक झंडा यात्रा में शामिल किया गया। परिवार एवं ग्रामीणों ने श्रद्धा के साथ झंडे को यात्रा में शामिल कर श्री देवनारायण महाराज के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

राजपूत-गुर्जर समाज ने मिलकर निभाई सेवा की जिम्मेदारी

यात्रियों की सेवा के दौरान सामाजिक एकता और भाईचारे की मिसाल भी देखने को मिली। राजपूत एवं गुर्जर समाज के लोगों ने मिलकर श्रद्धालुओं की सेवा की। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

ये लोग रहे मौजूद

केसरा चौराहे के समीप आयोजित स्वागत कार्यक्रम में जजिया का नगला से ब्रह्म पटेल, बिजेंद्र गुर्जर, धन सिंह गुर्जर सहित अनेक लोग मौजूद रहे। वहीं गांव केसरा से सूबेदार विजय सिंह राजपूत, एफपीएस राशन डीलर मूल सिंह राजपूत, बच्चू सिंह राजपूत सहित राजपूत समाज, गुर्जर समाज एवं गांव-बस्ती के बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

'श्रद्धालुओं की सेवा करना सौभाग्य '

समाजसेवक अवधेश सिंह नरूका ने बताया कि श्री देवनारायण महाराज की यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की सेवा करना गांव के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है। ग्रामीणों ने आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता के साथ यात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्राएं समाज को जोड़ने और आपसी प्रेम एवं सद्भाव को मजबूत करने का कार्य करती हैं।

औचक निरीक्षण में खुली नंदराय स्कूल की पोल

19 में से सिर्फ 7 शिक्षक मिले मौजूद, पुस्तकालय में अलमारी में बंद मिलीं किताबें, छात्रों के टॉयलेट में पसरी गंदगी

स्मार्ट हलचल

आकोला । मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिक ारी (सीबीईओ) जगदीश मीणा ने उपखंड क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों में व्यवस्थाओं की पोल खुली। क हीं शिक्षक समय पर उपस्थित नहीं मिले तो कहीं स्वच्छता और शैक्षणिक स ंसाधनों के रखरखाव में लापरवाही सामने आई। वहीं सांखड़ा पंचायत क्षेत्र का माणकपुरा विद्यालय व्यवस्थित रूप से स ंचालित मिलता हुआ मिला। सीबीईओ जगदीश मीणा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नंदराय पहुंचे। विद्यालय का निरीक्षण करने पर परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। छात्रों के टॉयलेट में गंदगी पसरी हुई थी। वहीं पुस्तकालय कक्ष में किताबें अलमारियों में बंद पड़ी मिलीं और उन पर धूल जमी हुई थी।

पुस्तकालय का विद्यार्थियों के उपयोग में नहीं आना विद्यालय में पठन संस्कृति को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

19 में से केवल 7 शिक्षक मिले मौजूद

औचक निरीक्षण के दौरान शिक्षकों की अनुपस्थिति सबसे बड़ी लापरवाही के रूप में सामने आई। विद्यालय में कुल 19 शिक्षक कार्यरत हैं, लेकिन निरीक्षण के समय केवल 7 शिक्षक ही मौजूद मिले। अधिकांश शिक्षकों के समय पर विद्यालय नहीं पहुंचने पर सीबीईओ मीणा ने नाराजगी जताई और विद्यालय संचालन में समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खराब कंप्यूटर और गंदे दूध के गिलास भी मिले

विद्यालय के कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण करने पर कंप्यूटर खराब अवस्था में पड़े मिले। डिजिटल शिक्षा के दौर में कंप्यूटरों का उपयोग नहीं होना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। इसी प्रकार विद्यार्थियों को पिलाए जाने वाले दूध के गिलास भी साफ-सुथरे नहीं मिले। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य से जुड़ी व्यवस्था में इस प्रकार की लापरवाही को गंभीर माना गया।

लक्ष्य भी अधूरे, रैंकिंग में पिछड़ा विद्यालय

सीबीईओ के अनुसार विद्यालय में वृक्षारोपण का लक्ष्य पूरा नहीं किया गया था। विद्यालय की रैंकिंग भी संतोषजनक नहीं मिली। इसके अलावा विजिट टारगेट समय पर पूरा नहीं किए जाने की बात भी सामने आई। सीबीईओ ने संबंधित अधिकारियों एवं संस्था प्रधान को व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए।

नोटिस जारी कर मांगा जवाब

विद्यालय में शिक्षकों की अनुपस्थिति सहित विभिन्न अनियमितताएं मिलने पर सीबीईओ ने कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण के समय केवल 7 शिक्षक उपस्थित मिलने के मामले में पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी पूजा वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया। सीबीईओ ने महात्मा गांधी विद्यालय नंदराय का भी निरीक्षण किया, जहां अधिकांश शिक्षक नदारद मिले। वहीं ककरोलिया घाटी पंचायत क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय बड़ा खेड़ा में शिक्षक सांवरलाल खटीक बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए। इस मामले में संबंधित संस्था प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर अग्रिम आदेश तक वेतन रोकने के निर्देश भी दिए गए।

माणकपुरा विद्यालय में मिली बेहतर व्यवस्था

इसके विपरीत सांखड़ा पंचायत क्षेत्र के माणकपुरा विद्यालय का संचालन व्यवस्थित मिला। यहां सभी स्टाफ सदस्य समय पर उपस्थित थे। विद्यार्थी अनुशासित नजर आए और विद्यालय परिसर में लगे पेड़-पौधे वातावरण की सुंदरता बढ़ा रहे थे। सीबीईओ के औचक निरीक्षण से क्षेत्र के विद्यालयों में हड़कंप मचा रहा। निरीक्षण में सामने आई कमियों के बाद अब विद्यालयों में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति, स्वच्छता, संसाधनों के समुचित उपयोग और विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

एफएमजी इंटर्न्स ने स्टाइपेंड की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं जिला चिकित्सालय, चित्तौड़गढ़ में अनिवार्य इंटर्नशिप कर रहे विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट (FMG) इंटर्न्स ने स्टाइपेंड की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इंटर्न्स ने बताया कि वे ओपीडी, नाइट ड्यूटी और लेबर रूम सहित अस्पताल के विभिन्न विभागों में नियमित रूप से सेवाएं दे रहे हैं। अन्य इंटर्न्स की तरह ही वे निर्धारित समय तक ड्यूटी कर रहे हैं तथा मरीजों की देखभाल और अस्पताल के अन्य कार्यों में जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अभी तक कोई स्टाइपेंड नहीं दिया जा रहा है। एफएमजी इंटर्न्स का कहना है कि स्टाइपेंड नहीं मिलने से कई विद्यार्थियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि उनके अनुसार भारतीय मेडिकल ग्रेजुएट (IMG) इंटर्न्स को राजस्थान सरकार की ओर से 21,700 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जा रहा है। इंटर्न्स ने मांग की कि उन्हें भी IMG इंटर्न्स के समान 21,700 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाए। इसी मांग को लेकर उन्होंने गुरुवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इंटर्न्स के अनुसार, जिला कलेक्टर की ओर से उन्हें आश्वासन दिया गया कि उनकी मांग को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा।

सृष्टि कुमावत ने राजस्थानी गीत 'थिरक-थिरक' में बिखेरा हुनर, कुमावत समाज ने दी बधाइयां

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ राजस्थानी फिल्म इंडस्ट्री में स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान लगातार बढ़ रही है। चित्तौड़गढ़ निवासी सृष्टि कुमावत ने राजस्थानी फिल्म इंडस्ट्रीज राणा जी म्यूजिकल के राजस्थानी गीत 'थिरक-थिरक' में मनमोहक प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। गीत में सृष्टि ने राजस्थानी लिवाज में प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने सराहा। सृष्टि कुमावत, निर्मला देवी एवं स्व. बालचंद कुमावत की सुपुत्री हैं। उनके इस गीत के रिलीज होने के बाद चित्तौड़गढ़ सहित जयपुर, उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा, निम्बाहेड़ा, मंदसौर और नीमच

सहित विभिन्न स्थानों से कुमावत समाज के लोगों ने खुशी जताई। समाज के बुजुर्गों, भाई-बहनों, रिश्तेदारों, सोशल मीडिया ग्रुपों, विभिन्न संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने सृष्टि को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। समाजजनों ने कहा कि सृष्टि ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से समाज का गौरव बढ़ाया है और उन्हें उम्मीद है कि वह आने वाले समय में मनोरंजन जगत में और आगे बढ़ेंगी। सृष्टि की इस उपलब्धि को लेकर कुमावत समाज में उत्साह का माहौल है। समाजजनों ने उन्हें निरंतर सफलता की ओर बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दीं।

एक्सपायर सिरप बांटने से कानपुर में बाढ़ पीड़ित बच्चे बीमार

स्मार्ट हलचल

कानपुर । यहां एक्सपायरी डेट का सिरप पीने के फलस्वरूप बाढ़ पीड़ित तीन बच्चे बीमार हो गए। फिलहाल इलाज के बाद उनकी हालत ठीक बताई गई है। यह घटना बर्रा थाना क्षेत्र की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यहां के बर्रा स्थित मयापुरम इलाके में बाढ़ पीड़ितों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से बांटे गए सिरप को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। परिजनों का आरोप है कि

जुलाई 2026 में एक्सपायर हो चुके सिरप का वितरण किया गया, जिसे पीने के बाद तीन बच्चों की हालत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि बच्चों को उल्टी होने लगी और तबीयत खराब होने पर परिजन उन्हें निजी डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग की टीम से शिकायत करने पर गंभीरता से कार्रवाई करने के बजाय इलाज के लिए 100 रुपये दिए गए। वहीं, स्वास्थ्य विभाग ने एक्सपायर सिरप बांटने के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि इस तरह के सिरप की सप्लाई नहीं हुई है । इसमें किसी की शरारत की आशंका है, जिसकी जांच भी शुरू कर दी गई है।

रेल नियमों के पालन के लिए जन विश्वास अभियान, 9 दिनों में 1,264 मामलों पर कार्रवाई

कोटा मंडल के छह प्रमुख स्टेशनों पर 7.31 लाख का जुर्माना, यात्रियों को नियमों के प्रति किया जा रहा जागरूक

स्मार्ट हलचल

कोटा। रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में अनुशासन, स्वच्छता और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के साथ यात्रियों को रेलवे नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल, कोटा मंडल द्वारा जन विश्वास अधिनियम के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। 01 से 09 सितम्बर, 2026 के दौरान विभिन्न स्टेशनों पर कुल 1,264

मामलों में कार्रवाई करते हुए ?7.31 लाख का जुर्माना लगाया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि स्टेशनवार कार्रवाई में भरतपुर में 273 मामलों में ?1,81,500, रामगंज मंडी में 252 मामलों में ?1,30,500, कोटा में 234 मामलों में ?1,32,000, शामगढ़ में 215 मामलों में ?1,25,500, सवाई माधोपुर में 187 मामलों में ?1,08,500 तथा बारां में 102 मामलों में ?52,500 का जुर्माना लगाया गया। 09 सितम्बर को ही 134 मामलों में ?89,500 का जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान रेलवे सुरक्षा बल द्वारा कार्रवाई के साथ यात्रियों को अनधिकृत प्रवेश, धूम्रपान, रेलवे परिसर में गंदगी फैलाने, थूकने तथा अन्य प्रतिबंधित गतिविधियों से बचने के लिए भी समझाइश दी जा रही है। इसका उद्देश्य केवल नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि यात्रियों में रेलवे नियमों के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन एवं ट्रेन में स्वच्छता बनाए रखें, रेलवे के निर्धारित नियमों का पालन करें और सुरक्षित एवं सुविधाजनक रेल वातावरण बनाए रखने में सहयोग करें। कोटा मंडल में यह जागरूकता एवं कार्रवाई अभियान आगे भी जारी रहेगा।

समाज, संत और संघ साथ चले तो समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगी शिक्षा...

श्रीराम महाराज (अघोरी बाबा) का शिक्षा अभियान : घुमंतू परिवारों के बच्चों को बांटे कपड़े-पढ़ाई के लिए किया प्रेरित....

स्मार्ट हलचल

टोंक । समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि सेवा के रूप में जमीन पर दिखाई देना चाहिए। इसी सोच के साथ टोंक जिले में निवाई उपखंड के गांव

कांटोली स्थित महाभारत कालीन मां भद्रकाली मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीश्री 1008 श्रीराम महाराज (अघोरी बाबा) लगातार जनसरोकार से जुड़े पुण्य के कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। शिक्षा, नशामुक्ति, बेटियों के विवाह और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यों के बाद अब उन्होंने घुमंतू परिवारों के बीच जाकर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की पहल की है। टोंक में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के बाद श्रीराम महाराज (अघोरी बाबा) के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के टोंक जिला प्रचारक भरत जी और संघ से जुड़े कार्यकर्ता घुमंतू परिवारों के बीच पहुंचे। यहां बच्चों से संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया गया। घुमंतू परिवारों के गरीब बच्चों को कपड़े वितरित किए गए और उन्हें नियमित रूप से स्कूल जाने तथा पढ़-

लिखकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान घुमंतू परिवारों को भी बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया गया। श्रीराम महाराज (अघोरी बाबा) का संघ से जुड़ाव भी सेवा और सामाजिक सरोकार की इसी सोच से दिखाई देता है। संत और संघ के कार्यकर्ताओं का एक साथ जरूरतमंद परिवारों के बीच पहुंचना सामाजिक समरसता और सेवा की भावना का संदेश देता है। संघ के कार्यकर्ताओं ने भी बच्चों और गरीब परिवारों के साथ संवाद कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास को लेकर सहभागिता की।

बेटियों की शादी में करोड़ों का सहयोग

श्रीराम महाराज (अघोरी बाबा) का जनसरोकार केवल शिक्षा अभियान तक सीमित नहीं है। वे इससे पहले भी सैकड़ों सामाजिक कार्य कर चुके हैं। सैकड़ों सर्व समाज की गरीब बेटियों के विवाह में करोड़ों रुपए का सहयोग कर निस्वार्थ भाव से उनके सेवा कार्यों की व्यापकता को दर्शाते हैं। जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग के साथ-साथ वे समाज में नशामुक्ति को लेकर भी लगातार अभियान चलाते आ रहे हैं। बताया गया कि श्रीराम महाराज (अघोरी बाबा) के प्रयासों से करीब सात लाख लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई जा चुकी है। इसके अलावा जन्मदिन जैसे अवसरों पर जरूरतमंदों को कपड़े उपलब्ध कराने, दीन-दुखियों की सेवा करने, स्कूलों में सहयोग करने और कोरोना काल जैसी महामारी में जरूरतमंद परिवारों की सहायता करने सहित अनेक जनसरोकार के कार्य उनके माध्यम से किए गए हैं।

सेवा को बनाया समाज सुधार व उत्थान का माध्यम

श्रीराम महाराज (अघोरी बाबा) का मानना है कि समाज सुधार और कुरीतियों को खत्म कर सामाजिक बदलाव लाने के लिए केवल उपदेश पर्याप्त नहीं हैं। जरूरतमंद परिवारों और व्यक्तियों तक पहुंचकर उनके साथ खड़ा होना तथा बच्चों को शिक्षा से जोड़ना ही वास्तविक सेवा है। यही कारण है कि धार्मिक गतिविधियों के साथ सामाजिक सरोकार को भी प्राथमिकता दी जा रही है। कांटोली से शुरू हुई सामाजिक सरोकार, समाज में सकारात्मक सुधार और शिक्षा को लेकर यह पहल घुमंतू परिवारों के बच्चों के लिए उम्मीद की नई किरण बन सकती है। यदि समाज के सक्षम लोग, संत और सामाजिक संगठन मिलकर ऐसे बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाएं तो आर्थिक परिस्थितियों के कारण पढ़ाई से दूर रहने वाले बच्चों का भविष्य बदला जा सकता है। संत और संघ का यह संयुक्त प्रयास यही संदेश देता है कि समाज की तरक्की तभी संभव है, जब विकास की रोशनी जरूरतमंद अंतिम व्यक्ति और अंतिम बच्चे तक पहुंचे। तभी गरीब और समाज की सच्ची सेवा मानी जाएगी।

मानसिक परेशानी पर चुप्पी नहीं, संवाद जरूरी

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर कार्यशाला आयोजित, एएनएम छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली...

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर । विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत एएनएम ट्रेनिंग सेंटर में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इस वर्ष की थीम Changing the Narrative on Suicide और संदेश Start the Conversation रखा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत ने कहा कि मानसिक तनाव, अवसाद और भावनात्मक परेशानी को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। ऐसे विषयों पर खुलकर बातचीत करना और जरूरतमंद व्यक्ति की बात संवेदनशीलता से सुनना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि आत्महत्या की रोकथाम स्वास्थ्य विभाग के साथ परिवार और समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। राजकीय अमृतकौर जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र सिंह चौहान ने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार की आवश्यकता बताई। जिला नोडल अधिकारी डॉ. अनिरुद्ध भार्गव ने तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और चेतावनी संकेतों की पहचान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 अथवा 1-800-891-4416 पर निःशुल्क परामर्श लिया जा सकता है। कार्यशाला के बाद एएनएम ट्रेनिंग सेंटर से अमृतकौर जिला चिकित्सालय के एमसीएच विंग तक जागरूकता रैली निकाली गई। डॉ. संजय गहलोत एवं डॉ. सुरेन्द्र सिंह चौहान ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में एएनएम छात्राओं एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्मिकों ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव एवं अवसाद की समय पर पहचान तथा सहायता लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम में एसीएमएचओ डॉ. लोकेश कुमावत, डीपीएम वाजिद अख्तर, प्राचार्य बीना चेरियान, नर्सिंग ट्यूटर राकेश शर्मा व राहुल शर्मा, लैब टेक्नीशियन विजय कुमार त्रिपाठी, मो. मजूर खान सहित एएनएम प्रशिक्षण केंद्र की छात्राएं मौजूद रहीं।

कोटा विश्वविद्यालय में वेस्ट न्यूजपेपर से विद्यार्थियों ने तैयार की आकर्षक पोशाकें, प्रतिभागियों को किया सम्मानित

कबाड़ समझे जाने वाले अखबारों से विद्यार्थियों ने रचा फैशन, प्रतिभाओं को किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल

कोटा। कोटा विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं आतिथ्य विभाग की ओर से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने के उद्देश्य से वेस्ट न्यूजपेपर से पोशाक निर्माण गतिविधि आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों ने पुराने समाचार पत्रों का उपयोग कर विभिन्न प्रकार की आकर्षक पोशाकें तैयार कीं। गतिविधि में केवल पेपर, सेलोटेप और कैंची का इस्तेमाल किया गया। विभागध्यक्ष प्रो. अनुकृति शर्मा ने बताया कि गतिविधि में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता का परिचय देते

हुए युगांडा की पारंपरिक पोशाक, मिस्र की पोशाक तथा होटल में कार्यरत शेफ की वेशभूषा तैयार की। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई पोशाकों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में एमटीटीएम प्रथम वर्ष, एमटीटीएम तृतीय सेमेस्टर, पीजी डिप्लोमा इन मेडिकल टूरिज्म तथा पीजी डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनकी रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां केवल वेस्ट न्यूजपेपर के पुनः उपयोग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विद्यार्थियों को नई सोच और रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करती हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों के अभिभावकों तक भी पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के बेहतर उपयोग का सकारात्मक संदेश पहुंचता है। प्रतियोगिता में विनोद कुमार परवानी (पीजी डिप्लोमा इन मेडिकल टूरिज्म) ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। दिवाकर जाटव (पीजी डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट) द्वितीय, दिव्यांशी गोचर (एमटीटीएम, तृतीय सेमेस्टर) तृतीय तथा प्रत्यक्षा शर्मा (एमटीटीएम, तृतीय सेमेस्टर) चतुर्थ स्थान पर रहीं।

जयपुर के 551 बूथ संवेदनशील, कड़ा पहरा रहेगा

14 सितंबर की मतगणना के बाद पार्षद नहीं निकाल सकेंगे विजय जुलूस...

स्मार्ट हलचल

जयपुर जयपुर नगर निगम के 150 वार्ड में शहरी सरकार चुनने के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जयपुर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। शहर में कुल 2250 मतदान बूथ बनाए गए हैं, जिनमें 551 बूथों को संवेदनशील माना गया है। इन बूथों पर पुलिस के साथ आरएसी के जवान भी तैनात रहेंगे। मतदान के बाद

ईवीएम को भी कड़ी सुरक्षा के बीच केंद्र तक पहुंचाया जाएगा। वहीं, 14 सितंबर को मतगणना के बाद जीतने वाले पार्षद विजय जुलूस नहीं निकाल सकेंगे। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने आदर्श आचार संहिता के तहत विजय जुलूस और रैली पर रोक लगाई है। एडिशनल कमिश्नर कानून-व्यवस्था डॉ. राजीव पचार ने बताया- जयपुर नगर निगम के 150 वार्ड में दूसरे चरण के तहत शुक्रवार को मतदान होगा। इसके लिए 2250 इलेक्शन बूथ बनाए गए हैं। सामान्य बूथों पर दो-दो कॉन्स्टेबल तैनात किए जाएंगे। 551 संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। ऐसे बूथों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है, जहां मतदाताओं को प्रभावित करने, किसी तरह की गड़बड़ी होने या कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है।

किसी मन्दिर मे जाकर भगवान को धोग लगाने से पहले अपने माता पिता को प्रणाम अवश्य करें : प्रतिभा श्रीजी

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ शहर के उपनगरीय क्षेत्र सेन्थी स्थित शांति भवन मे पर्यूषण महापर्व के तृतीय दिवस पर सर्वप्रथम श्री प्रेरणा श्री जी म. सा. ने अन्तगढ़ सूत्र का वाचन किया। जैन सिद्धान्ताचार्य श्री प्रतिभा श्री जी म. सा.

ने अपने प्रवचन मे माँ का प्राणी मात्र के प्रति क्या महत्व है इस पर चर्चा की। उन्होंने कहा किसी मन्दिर मे जाकर भगवान को धोग लगाने से पहले अपने घर के जीवित माता पिता को प्रणाम अवश्य करें। माँ ममता का दिव्य मंदिर है, प्रेम का पवित्र शास्त्र है। हर किसी के घर मे माता पिता के रूप मे एक मंदिर व तीर्थ होता है। हर संतान का यह कर्तव्य है कि भगवान को धोग लगाने से पूर्व अपने घर मे जीवित माता पिता का अवश्य ध्यान रखे। माँ ही स्वर्ग का सुकुन है। माँ पृथ्वी स्वरूप होती है व पिता परमात्मा स्वरूप, जो व्यक्ति प्रभातवेला मे श्रद्धापूर्वक अपने माता पिता को प्रणाम करता है वह तीन लोक की परिक्रमा का पुण्य प्राप्त करते है। माँ ममता का मंगल कलश और ममता का महाकाव्य है। माँ की ममता आकाश के अंत और सागर की थाह से अधिक है। ब्रह्मा सृष्टि का सृजन करते है। विष्णु पालन करते है और महादेव हमारा उद्धार करते है। हर माँ यह तीनो कार्य पूरा करती है। अतः माँ अपने आप मे ब्रह्मा विष्णु व महेश है। पर्युषण महापर्व पर बड़ी संख्या बाहर से अतिथि पधारे जिनका श्रमण संघ सेन्थी द्वारा अभिनन्दन किया गया।

शंभूपुरा में उड़ती धूल से आमजन परेशान, ग्रामीणों ने भारी वाहन बाहर निकालने की मांग की

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा कस्बे में दिनभर गुजरने वाले भारी वाहनों के चलते उड़ती धूल से दुकानदार, आमजन ओर राहगीरों को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कस्बे के अंदर से होकर दिनभर बड़ी संख्या में भारी वाहन गुजरते है, जबकि यहाँ आबादी क्षेत्र भी है और बाजार भी, जिससे उड़ती धूल मिट्टी से तो आमजन परेशान है ही साथ ही

साथ हर समय बड़ी दुर्घटना का अंदेशा लगा रहता है, ग्रामीणों ने पुलिस प्रसासन से मांग की है कि बसों को छोड़कर सभी भारी वाहन बाईपास से निकाले, कस्बे में आने वाले इन सभी भारी वाहनों का प्रवेश निषेध करे, ताकि भविष्य में कभी होने वाली बड़ी अनहोनी से बचा जा सके। थानाधिकारी धर्मराज मीणा ने कहा कि हमारी भी प्राथमिकता यही रहती की यातायात व्यवस्थित हो, कस्बे में भारी वाहन आ रहे और उससे आमजन परेशान है, दुर्घटना का खतरा है तो इसे डायवर्ड करेंगे।

उदित जैन बने टीपीएफ चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष, प्रोफेशनल नेटवर्किंग और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का संकल्प

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), चित्तौड़गढ़ की बैठक स्थानीय रिसोर्ट में आयोजित हुई। बैठक में पूर्व अध्यक्ष डॉ. अतुल खाब्या के सफल कार्यकाल के पूर्ण होने पर उनका अभिनंदन किया गया। इसके साथ ही सर्वसम्मति से उदित जैन को आगामी कार्यकाल के लिए टीपीएफ चित्तौड़गढ़ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष उदित जैन ने पूर्व अध्यक्ष डॉ. अतुल खाब्या, सचिव शानू सुराणा एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी तथा सभी सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि टीपीएफ को और अधिक मजबूत बनाने के साथ प्रोफेशनल नेटवर्किंग तथा सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ. बी.एल. खाब्या, दीपक जैन, तुषार सुराणा, आदित्य ढीलीवाल, मुदित जैन, मुकेश वर्मा, यश पोखरना, पीयूष कोठारी, श्रेयान ढीलीवाल, डॉ. ऋतु खाब्या, ऋत्विका पोखरना, अनु सुराणा सहित भावी सदस्य आयुष ढीलीवाल, चिराग ढीलीवाल और प्रिशा ढीलीवाल ने उदित जैन को शुभकामनाएं दीं।

रूस में गूंजेगी ब्यावर की बेटी की आवाज, ऐश्वर्या यादव करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

अंतरराष्ट्रीय युवा महोत्सव में हुआ चयन, 11 से 17 सितंबर तक येकातेरिनबर्ग में होगा आयोजन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर । ब्यावर की बेटी ऐश्वर्या यादव का रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए चयन हुआ है। ऐश्वर्या वनस्थली विद्यापीठ, निवाई (टोंक) में स्नातक की छात्रा हैं। वे 11 से 17 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। महोत्सव के दौरान शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर समूह चर्चा, वाद-विवाद, नेतृत्व कौशल विकास तथा युवाओं के विचारों और नई सोच को लेकर विभिन्न सत्र आयोजित होंगे। इनमें ऐश्वर्या भारत की ओर से सहभागिता करेंगी। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने पर ऐश्वर्या आज रूस के येकातेरिनबर्ग के लिए रवाना होंगी। उनके चयन से परिजनों और शहरवासियों में खुशी का माहौल है। ऐश्वर्या की इस उपलब्धि को ब्यावर के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है।

आर्य समाज उदयपुर में गूंजेंगे वैदिक मंत्र; तीन दिवसीय वेदप्रचार और यज्ञ कार्यक्रम कल से

उदयपुर आर्य समाज उदयपुर,द्वारा आगामी 11 से 13 सितम्बर 2026 तक तीन दिवसीय विशेष वेदप्रचार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मंत्री सत्यप्रिय आर्य के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में वेदों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैदिक संस्कृति, यज्ञ और सदाचार के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. धर्मेन्द्र शास्त्री मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे तथा वेदों, वैदिक जीवन-पद्धति एवं समसामयिक जीवन में वेदों की उपयोगिता पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। भजन कार्यक्रम में इन्द्रदेव पीयूष अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम की विशेषता यह रहेगी कि प्रत्येक सत्र में चारों वेदों के शतक से यज्ञ सम्पन्न किया जाएगा। वेद का पाठ वेदपाठी सत्यप्रिय एवं अवनीश मैत्री करेंगे।इस दौरान यज्ञ ,भजन और प्रवचन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। आर्य समाज उदयपुर की ओर से शहरवासियों एवं सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इस तीन दिवसीय वेदप्रचार कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर वैदिक ज्ञान एवं यज्ञ परंपरा का लाभ लेने का आह्वान किया गया है।

महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और मोमबत्ती निकाली, डॉक्टर हैरान

नरसाराओपेट (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। महिला को सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों को उसके पेट के अंदर कई असामान्य वस्तुएं मौजूद होने का पता चला। सर्जरी के दौरान महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। जानकारी के मुताबिक पेटलुरिवारीपलेनी मंडल की रहने वाली महिला को कुछ समय से सीने में दर्द की शिकायत थी। दर्द बढ़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद कई मेडिकल टेस्ट और स्कैन कराए। रिपोर्ट में पेट के अंदर ठोस वस्तुओं की मौजूदगी सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला की सर्जरी करने का फैसला लिया। लैप्रोस्कोपिक तकनीक की मदद से पेट में छोटा चीरा लगाकर अंदर मौजूद वस्तुओं को एक-एक कर बाहर निकाला। डॉक्टरों के मुताबिक पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। डॉक्टरों ने बताया कि एक पेन का ढक्कन नहीं था और उसका हिस्सा पेट की अंदरूनी सतह में चुभ रहा था। माना जा रहा है कि इसी वजह से महिला को दर्द हो रहा था। डॉक्टरों के मुताबिक एक साथ इतनी संख्या में ठोस वस्तुओं का पेट में पाया जाना बेहद असामान्य और दुर्लभ है।

बीजेपी कर सकती है 5 राज्यों में चुनाव से पहले नए प्रभारियों की घोषणा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले नए मोर्चा प्रभारियों के नामों की घोषणा कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक हरिश द्विवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया जा सकता है। वहीं सतीश पूनिया को भी पद मिल सकता है। पार्टी महिला मोर्चा, एसएसटी, ओबीसी और किसान मोर्चा के प्रभारियों की भी घोषणा कर सकती है। बीजेपी हरीश दिवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बना सकती है, वहीं महिला मोर्चा की डी. पुरंदेश्वरी को प्रभारी, एससी मोर्चा के संजय भाटिया, ओबीसी मोर्चा वैजयंत पांडा, किसान मोर्चा लाल सिंह आर्या, एसटी मोर्चा सतीश पूनिया, अल्पसंख्यक मोर्चा गजेंद्र पटेल को जिम्मेदारी सौप सकती है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादी गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के दो घाटी जिलों से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां बुधवार को की गईं। पुलिस ने बताया कि असम राइफल्स और गढ़वाल राइफल्स को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले के माना इंगखोल में 'नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ मणिपुर' के 28 साल के सक्रिय सदस्य को पकड़ा। उन्होंने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले में चिंगमेइरोंग से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के 44 साल एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी के मुताबिक पकड़े गए दो अन्य लोगों में एक प्रतिबंधित कांगलेई याओल कन्ना लुप का सक्रिय सदस्य है, जिसे इंफाल पश्चिम के सागोलटोंगबा स्थित उसके घर से पकड़ा। वहीं, दूसरा व्यक्ति इंफाल पूर्व के अहल्लुप से पकड़ा गया, जो केसीपी का सदस्य है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

सलमान की काला हिरण पर रोक की मांग : फिल्म रिलीज को तैयार नहीं

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान की याचिका पर काला हिरण- द बैटल फॉर लिगेसी फिल्म को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई जारी है। सलमान ने अपनी पहचान और 1998 के काले हिरण मामले के इस्तेमाल का आरोप लगाकर फिल्म की रिलीज और प्रचार पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की सुनवाई के दौरान, फिल्म निर्माताओं ने अदालत को बताया कि फिल्म अभी रिलीज के लिए तैयार नहीं है और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणित होना बाकी है। सलमान का आरोप है कि फिल्म में उनके जीवन से जुड़े तथ्यों और विवादों का अनधिकृत इस्तेमाल किया जा रहा है। फिल्म के पोस्टर और टीजर में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है जो उनसे काफी मिलता-जुलता है, यहाँ तक कि उनके प्रसिद्ध ब्रेसलेट का इस्तेमाल हुआ है। सलमान का कहना है कि यह उनकी पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन है और इससे उनकी छवि को नुकसान होता है। वहीं, फिल्म के निर्माता और निर्देशक इन आरोपों को खारिज कर रहे हैं। उनका कहना है कि फिल्म काल्पनिक है, किरदार का नाम अयान खान है और कोई भी प्रोस्थेटिक मेकअप सलमान जैसा दिखने के लिए इस्तेमाल नहीं किया गया। ब्रेसलेट को लेकर भी उनका तर्क है कि यह सिर्फ सलमान ही नहीं पहनते। हालांकि, सलमान के वकील ने कोर्ट में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म रिलीज की संभावना को देखकर , सेंसर बोर्ड प्रमाणन की अनुपस्थिति में भी रोक लगाने की मांग की, जिसे कोर्ट ने अपने आदेश में शामिल किया। अदालत ने फिल्म निर्माताओं को दो सप्ताह के भीतरजवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है, और मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को निर्धारित की गई है।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल- पति पर रेप का केस कैसे चलाया जा सकता है?

वैवाहिक बलात्कार अपवाद की संवैधानिक वैधता पर तीन हफ्ते बाद अंतिम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
वैवाहिक बलात्कार (मैरिटल रेप) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही संवैधानिक चुनौती पर बुधवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की अंतिम सुनवाई तीन सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब कानून में वैवाहिक बलात्कार का अपवाद मौजूद है, तो पत्नी के साथ बलात्कार के आरोप में पति के खिलाफ अभियोजन किस आधार पर चलाया जा सकता है।
पीठ ने पूछा कि जब तक वैवाहिक बलात्कार अपवाद की संवैधानिक वैधता पर सुप्रीम कोर्ट फैसला नहीं कर देता, तब तक पत्नी से बलात्कार के आरोप में पति के खिलाफ मुकदमा कैसे चल सकता है? जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने भी इसी पहलू पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि आईपीसी की धारा 375 में स्पष्ट रूप से वैवाहिक बलात्कार का अपवाद था, तो उसकी संवैधानिक वैधता पर फैसला होने तक अभियोजन की अनुमति दी जा सकती है या नहीं।

पीड़ितों की सुरक्षा पर भी कोर्ट का जोर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, लेकिन मौजूदा कानूनी प्रावधानों के रहते अभियोजन के अधिकार का सवाल भी महत्वपूर्ण है। यह मामला कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें कहा गया था कि वैवाहिक बलात्कार के मामले में पति को कानून के तहत पूर्ण छूट हासिल नहीं है। हाईकोर्ट ने पत्नी की इच्छा के खिलाफ यौन संबंध बनाने पर पति के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी।

बीएनएस में भी वैवाहिक बलात्कार का अपवाद

मामला मूल रूप से आईपीसी की धारा 375 के अपवाद-2 से जुड़ा है। अब आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 लागू है। बीएनएस में भी 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की पत्नी के साथ पति के यौन संबंध को लेकर समान अपवाद मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि अंतिम सुनवाई में दो प्रमुख सवालों पर विचार होगा। पहला, यदि वैवाहिक बलात्कार का अपवाद बरकरार रहता है तो क्या पति के खिलाफ अभियोजन जारी रखा जा सकता है। दूसरा, क्या यह अपवाद संविधान की कसौटी पर कायम रह सकता है।

केंद्र ने अपराध बनाने का किया था विरोध

केंद्र सरकार ने 2024 में दाखिल हलफनामे में वैवाहिक बलात्कार को अपराध बनाने का विरोध किया था। केंद्र का कहना था कि विवाहित महिलाओं को यौन हिंसा से बचाने के लिए मौजूदा कानूनों में पर्याप्त वैकल्पिक उपाय मौजूद हैं। सरकार के अनुसार विवाह संस्था के भीतर बलात्कार का अपराध लागू करना अत्यधिक कठोर और असंगत हो सकता है तथा यह मुख्य रूप से सामाजिक और विधायी नीति का विषय है।

कॉकरोच जनता पार्टी के नेता मानहानि मामले में तलब, बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने मांगा हर्जाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया द्वारा दायर 2 करोड़ रुपये के मानहानि के मुकदमे में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को अदालत तलब किया है। अदालत ने सीजेपी को समन जारी किया है। यह मामला भाटिया के खिलाफ आपत्तिजनक और बिना सत्यापन के पोस्ट करने से जुड़ा है। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका द्वारा भाटिया के बारे में बिना सत्यापन के किए पोस्ट अनुचित थे। अदालत ने उन्हें ये पोस्ट स्वयं हटाने का सुझाव दिया था, जिसके बाद उनके वकीलों ने कुछ पोस्ट हटाने की पुष्टि की और अन्य को भी हटाने का आश्वासन दिया। वहीं, दीपके ने अपना बचाव कर कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ नहीं लिखा था। मामले की सुनवाई के दौरान भाटिया ने मध्यस्थता के लिए अदालत की पेशकश को अस्वीकार कर अपनी प्रतिष्ठा को पहुंची क्षति के लिए हर्जाना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीजेपी नेताओं के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स हैं और उनके पोस्ट एक दिन में 10 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचते हैं, जिससे हुई क्षति गंभीर है। बीजेपी प्रवक्ता भाटिया की मांग पर अदालत ने सभी आपत्तिजनक पोस्ट को 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया और एक्स तथा मेटा को निर्देश दिया कि भविष्य में ये पोस्ट प्लेटफॉर्म पर फिर न दिखें। इसके साथ ही अदालत ने सीजेपी और उसके नेताओं को समन जारी किया। अदालत ने सीजेपी नेताओं को सलाह दी कि वे कुछ भी साझा करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करें। न्यायालय ने कहा कि विरोध करने के कई वैध तरीके हैं और युवाओं को इस हद तक जाने की आवश्यकता नहीं है।

प्रियंका गांधी का नाम और आवाज इस्तेमाल कर लोगों को ठगने की कोशिश

-कार्यालय ने जारी किया स्कैम अलर्ट, लोगों से की ऐसे फर्जी निवेश से बचने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी।
सांसद प्रियंका गांधी के नाम और उनकी आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को स्कैम अलर्ट जारी किया। कार्यालय ने बताया कि वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की एआई से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे निवेश करने को कहा जा रहा है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यालय ने साफ कहा है कि ये सभी वीडियो स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे पोस्ट को रिपोर्ट और ब्लॉक करें। इससे पहले अगस्त महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर भी ऐसा ही फर्जी वीडियो सामने आया था, जिसका सरकार ने खंडन किया था। उस वीडियो में दावा किया जा रहा था कि 22 हजार रुपए के शुरुआती निवेश पर हर हफ्ते साढ़े पांच लाख रुपए की कमाई होगी। यह एक निवेश योजना का प्रचार था। फैक्ट चेक यूनिट ने जांच में पाया कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है और एआई से तैयार किया गया है। आजकल साइबर ठग लोगों का भरोसा जीतने के लिए रोज नए-नए तरीके निकाल रहे हैं। बड़े नेताओं और जानी-मानी हस्तियों की एआई से आवाज और वीडियो बनाकर लोगों को भरोसे में लिया जा रहा है और लाखों-करोड़ों की ठगी की जा रही है।
एक्सपट्र्स का कहना है कि अगर कोई वीडियो आपको बहुत ज्यादा मुनाफे का लालच दे रहा है, तो सतर्क हो जाएं। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें और किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी सच्चाई की जांच जरूर करें। सरकार या किसी नेता की तरफ से ऐसी कोई योजना आती है तो उसकी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जरूर देखें।

मुंबई-गोवा हाईवे में देरी पर गडकरी बोले- उद्घाटन में नहीं जाऊंगा

बोले- ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

पणजी, एजेंसी।
मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण में हो रही देरी पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि परियोजना में देरी को लेकर उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। गडकरी ने यह भी कहा कि हाईवे का काम पूरा होने के बाद होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम में वह शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी और खराब गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और लापरवाही करने वाले अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं।
गडकरी ने बुधवार को पणजी के पास पोरवोरिम में छह लेन वाले एलिवेटेड रोड कॉरिडोर के उद्घाटन के बाद उन्होंने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वह अक्टूबर में मुंबई-गोवा हाईवे से होकर गोवा जाएंगे और रास्ते में खुद काम की स्थिति का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 8 सितंबर को अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई थी।
गडकरी के मुताबिक करीब 440 किलोमीटर लंबे मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण का 93-94 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसके बावजूद कई हिस्सों में गड्ढे, जलभराव, मरम्मत और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। मई में खारपाड़ा टोल प्लाजा पर टोल वसूली भी शुरू हो गई थी, लेकिन परियोजना के कुछ हिस्सों में काम और सुधार जारी है। वर्ष 2021 में बंदरों के लिए बनाया गया एक ओवरपास भी ढह चुका है।

जमीन अधिग्रहण से लेकर ठेकेदारों की समस्या

मुंबई-गोवा हाईवे का चौड़ीकरण पहले 2016 तक पूरा किया जाना था, लेकिन जमीन अधिग्रहण, निर्माण पूर्व मंजूरियों और ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं के कारण परियोजना में लगातार देरी हुई। केंद्र सरकार ने 2024 में संसद में भी बताया था कि जमीन अधिग्रहण और कुछ ठेकेदारों की आर्थिक परेशानियों के कारण काम प्रभावित हुआ। गडकरी ने हाईवे के किनारे वैज्ञानिक तरीके से लैंडस्केपिंग करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों की मनमर्जी से पेड़

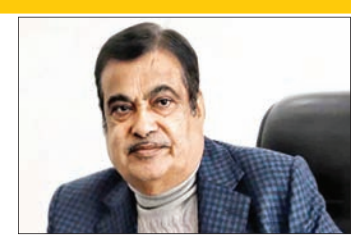

लगाने के बजाय विशेषज्ञों के अध्ययन के आधार पर फूल और पेड़ों की ऐसी प्रजातियां चुनी जानी चाहिए, जो अधिक कार्बन डाइऑक्साइड सोखकर ऑक्सीजन छोड़ें। यह हाईवे मुंबई को कोंकण के रास्ते गोवा से जोड़ता है और पर्यटन व स्थानीय कारोबार के लिए महत्वपूर्ण है।

निशिकांत दुबे की मांग....राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर लगे रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के विदेश जाने पर तत्काल रोक लगाने और उनकी संसदीय सदस्यता समाप्त करने की मांग उठा दी है। उन्होंने अपनी मांग के समर्थन में पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1955 में लिखे पत्र का हवाला दिया, जिसमें नेहरू ने कथित तौर पर कम्युनिस्ट विचारधारा को देशद्रोह के समान बताया था। झारखंड के देवघर से सांसद दुबे ने लिखा कि नेहरू के शब्दों के अनुसार, क्या राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म नहीं की जानी चाहिए और उनके विदेश जाने पर रोक नहीं लगनी चाहिए? सांसद दुबे ने नेहरू के हवाले से कहा कि कम्युनिस्ट विचारधारा का मतलब है देशद्रोह, विदेश में जाकर चुनी हुई सरकार के खिलाफ बोलना देशद्रोह है। उन्होंने बताया कि नेहरू ने मशहूर इतिहासकार इरफान हबीब को कम्युनिस्ट विचारधारा से जुड़ा होने के कारण स्कॉलरशिप देने से इंकार किया था। सांसद दुबे ने आरोप लगाया कि विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ बोलना और परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करना देशद्रोह हैं, उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर रोक लगाना पूरी तरह से संवैधानिक होगा। सांसद दुबे ने सवाल किया कि नेहरू द्वारा स्थापित यह मिसाल राहुल गांधी पर क्यों लागू नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर हम नेहरू के पत्र को आधार माना जाएं, जिसमें यह स्थापित किया गया था कि विदेश में देश के खिलाफ बोलने वाला कोई भी व्यक्ति राष्ट्र-विरोधी है, और कम्युनिस्ट विचारधारा को मानने वाले विशेष रूप से खतरनाक राष्ट्र-विरोधी हैं, तब उस आधार पर राहुल गांधी को विदेश जाने से क्यों नहीं रोका जाना चाहिए और उनकी संसदीय सदस्यता क्यों नहीं खत्म की जानी चाहिए?

मायावती ने, भतीजे आकाश आनंद को बसपा से किया बाहर

समधी के संन्यास के बाद लिया बड़ा फैसला

लखनऊ, एजेंसी।
बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। उन्होंने अपने ट्वीट के जरिए यह घोषणा की कि पार्टी के लोगों को यही बेहतर लगता है कि उन्हें पहले दिनांक 3 सितंबर 2026 को जिस प्रकार से पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के अति-महत्वपूर्ण पद की सभी अहम जम्मिेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, उसी प्रकार अब उन्हें पार्टी में भी आज से पूरी तरह से फ्री (आज़ाद) कर दिया जाये। अतः श्री आकाश आनन्द पार्टी में अब स्वतंत्र रहना चाहते हैं तो वे स्वतंत्र हैं अर्थात ऐस में अब इनको पार्टी से पूरेतौर से मुक्त कर दिया गया है।
मायावती ने अपने समधी और आकाश आनंद के पिता अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के फैसले पर भी कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, आज श्री अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा अति-देर से उठाया गया यह सही क़दम है। मायावती का कहना था कि अगर यह फैसला पहले ही ले लिया जाता, तो बसपा, बहुजन समाज और बहुजन मूवमेंट के साथ-साथ उनके दामाद आकाश आनंद को भी लगातार विपरीत परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें विधानसभा चुनावों और खासकर उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार सरकार बनाने की तैयारियों के बीच पार्टी व मूवमेंट के व्यापक हित में कई बार कड़े फैसले लेने की जरूरत नहीं पड़ती। बसपा सुप्रीमो ने पार्टी की अम्बेडकरवादी राजनीति की परंपरा पर जोर देते हुए कहा कि यह बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के पदचिन्हों पर चलने वाली त्याग, तपस्या, संघर्ष और कुर्बानी की पहचान है, जहाँ निजी व पारिवारिक स्वार्थ से दूर रहना सर्वोपरि है। उन्होंने कांशीराम जी की तरह खुद को भी इसी सिद्धांत के प्रति समर्पित बताया और पार्टी के सभी लोगों को निजी व पारिवारिक स्वार्थ और पद की लालसा से ऊपर उठने की सीख दी, ताकि सदियों से शोषित, पीड़ित बहुजन समाज शासक वर्ग बन सके। मायावती ने अशोक सिद्धार्थ के संन्यास के फैसले को देर आये दुरुस्त आये बताया, लेकिन साथ ही उनकी नीयत पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर अशोक सिद्धार्थ को आकाश आनंद के उज्जवल भविष्य और बसपा व उसके अम्बेडकरवादी बहुजन मूवमेंट के प्रति थोड़ी भी चिंता होती, तो वे बिना देरी किए तुरंत संन्यास की घोषणा कर देते। मायावती के अनुसार, ऐसा कुछ भी न होना यह साबित करता है कि अशोक सिद्धार्थ की नीयत में खोट व अभिलाषा अभी भी पूरी तरह से बरकरार है।

लद्दाख के भविष्य पर मसौदा नहीं आने से भड़के वांगचुक, दी आंदोलन की चेतावनी

-गृह मंत्रालय के साथ लद्दाख पर हुई बैठक रही बेनजीता

नई दिल्ली, एजेंसी।
लद्दाख के भविष्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक में कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई, जिससे प्रतिनिधिमंडल ने गहरी निराशा जताई है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और लेह एपेक्स बॉडी(लेब) कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की सब-कमेटी के बीच करीब चार महीने बाद हुई इस बातचीत में सरकार की ओर से प्रस्तावित लोकतांत्रिक ढांचे का कोई लिखित मसौदा सामने नहीं रखा गया। लद्दाख के एक्टिविस्ट और लेब से जुड़े सोनम वांगचुक ने इसे निराशाजनक बताया। उनके मुताबिक, पिछली बैठक 22 मई को हुई थी और उम्मीद थी कि इस बार सरकार ठोस प्रस्ताव लेकर आएगी।
वांगचुक ने बताया कि बैठक में उन्हें सवालों की एक सूची दी गई और अगली बैठक में चर्चा का आश्वासन दिया गया, जबकि विधानसभा, सीधे परिसीमन और चुनाव जैसे मुद्दों पर पहले भी बात हो चुकी है और इस बैठक में कोई खास प्रगति नहीं हुई। अगली बातचीत अक्टूबर के पहले सप्ताह में कारगिल में होने पर सहमति बनी है, जहाँ प्रतिनिधिमंडल को ज्यादा स्पष्टता और ठोस प्रस्ताव की उम्मीद है। प्रतिनिधिमंडल की मुख्य मांग है कि लद्दाख में जल्द से जल्द लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई विधानसभा स्थापित की जाए और इस प्रस्ताव को संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में रखा जाए, ताकि चुनाव और लोकतांत्रिक संस्थाओं के गठन की प्रक्रिया शुरू हो सके। एक सकारात्मक चर्चा का जिक्र करते हुए वांगचुक ने बताया कि बीती घटनाओं में मारे गए और घायल हुए लोगों के लिए मुआवजे पर सरकार ने सहमति जताई है, जिसकी घोषणा जल्द की जाएगी। हालांकि, लोगों के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। लद्दाख प्रतिनिधिमंडल ने आंदोलन से जुड़े लोगों पर दर्ज मामलों को चरणबद्ध तरीके से वापस लेने के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है और सभी मामलों को एक साथ वापस लेने की मांग की है। सरकार ने इस पर विचार करने की बात कही है। वांगचुक के अनुसार, गृह मंत्रालय ने कुछ फैसलों को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के मुख्य सचिव के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं।

बीजेपी देश की सबसे अमीर पार्टी, विधानसभा चुनावों में मिला 1400 करोड़ का चंदा

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी आज देश के सभी राजनीतिक दलों में सबसे अमीर पार्टी है, इसका खुलासा खुद बीजेपी ने चुनाव आयोग को दिए चुनावी खर्च के ब्योरे में दिया है। चुनावी खर्च के ब्योरे के मुताबिक बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में बीजेपी को कुल 1,472.8 करोड़ रुपए का चंदा मिला।
बीजेपी द्वारा चुनाव आयोग को दी गई जानकारी के मुताबिक 6 मई, 2026 को चुनाव खत्म होने पर पार्टी का क्लोजिंग बैलेंस बढ़कर 7,627.2 करोड़ रुपए हो गया, जबकि 15 मार्च, 2026 को यह 6,722.6 करोड़ रुपए था। इसमें बीजेपी के सेंट्रल हेडक्वार्टर और संबंधित राज्य की जिला इकाइयां भी शामिल हैं, जिन्हें मिलाकर ये फंड मिला। बीजेपी ने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों पर कुल 160 करोड़ रुपए खर्च किए थे। बीजेपी ने सबसे ज्यादा खर्च असम में किया, जो 96.3 करोड़ रुपए था। इसके बाद तमिलनाडु में 51.6 करोड़ और पुडुचेरी 11.9 करोड़ रुपए खर्च किए। पार्टी के आम प्रचार पर करीब 130.4 करोड़ खर्च किए गए, जबकि 29.6 करोड़ रुपए उम्मीदवारों के एकमुश्त भुगतान पर खर्च हुए। पश्चिम बंगाल और केरल इन दो राज्यों के चुनावी खर्च के आंकड़े चुनाव आयोग ने अभी तक सार्वजनिक नहीं किए हैं। असम के लिए बीजेपी के चुनावी खर्च के ब्योरे के मुताबिक पार्टी ने आम प्रचार पर 76.7 करोड़ रुपए खर्च किए, जिसमें उसकी केंद्रीय इकाई द्वारा खर्च किए गए 23.1 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर खर्च किए गए 19.5 करोड़ रुपए शामिल हैं। असम में स्टार प्रचारकों की यात्रा खर्च पर 27.3 करोड़, विज्ञापनों पर 37 करोड़, प्रचार सामग्री पर 8.9 करोड़ और राज्य इकाई द्वारा अन्य खर्चों पर 2.3 करोड़ रुपए खर्च किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक उम्मीदवारों को कुल 19.4 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया और उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने पर 16.7 लाख खर्च किए गए। तमिलनाडु में बीजेपी ने पार्टी के आम प्रचार के लिए कुल 44.5 करोड़ खर्च करने की मंजूरी दी थी। उम्मीदवारों पर 7 करोड़ रुपए खर्च किए। इन्हीं चुनावों के लिए पहले जारी किए गए अपने खर्च के ब्योरे में कांग्रेस ने कुल 248.6 करोड़ रुपए खर्च होने की जानकारी दी थी।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है।उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं।ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है।यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं।यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है।इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है।जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है।इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है।ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं।इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं।यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है।आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं।ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है।साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है।इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है।जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है।इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है।इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं।इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है।इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है।इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके।इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी।गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है।पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें।यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है।भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है।वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं।कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है।घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है।इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है।वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है।पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं।ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है।आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें।नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें।इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें।इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें।इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है।इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें।इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है।यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं।लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें।इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें।यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं।ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें।यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है।ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है।बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

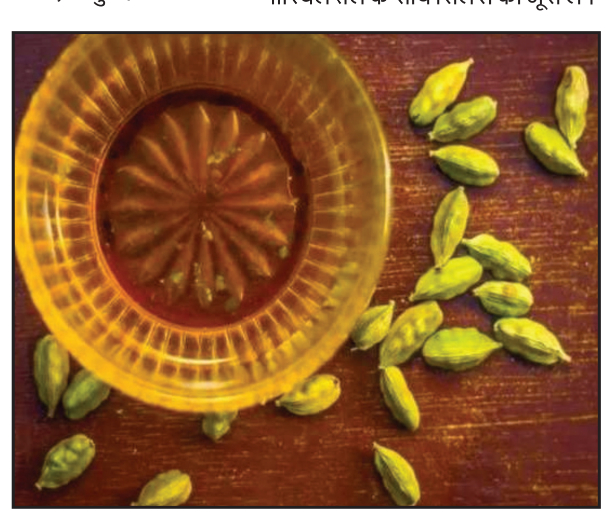

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं।इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

▶ 7 साल बाद चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग का भारत दौरा, चीन के विदेश मंत्रालय ने की पुष्टि

18वें ब्रिक्स समिट में शामिल होने भारत आ रहे हैं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग

भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा भारत

● नई दिल्ली

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स समिट 2026 में शामिल होने के लिए भारत आएंगें. पिछले कई दिनों से जिनपिंग के दिल्ली दौरे को लेकर सिर्फ अटकलें लगाई जा रही थी, लेकिन अब चीन के विदेश मंत्री ने इस पर मुहर लगा दी है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने भारत आएंगे। भारत 12 से 13 सितंबर तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। शी जिनपिंग की भारत यात्रा 7 साल के बाद हो रही है, वो भी ऐसे समय में जब दोनों देश सीमा विवाद को लेकर हुए तनाव के बाद संबंधों को फिर से स्थिर करने के लिए काम कर रहे हैं। जिनपिंग की पिछली भारत यात्रा 11-12 अक्टूबर 2019 को हुई थी। तब वह तमिलनाडु के मामल्लापुरम पहुंचे थे, जहां पीएम नरेंद्र मोदी के साथ भारत-चीन के दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे।

पीएम मोदी-जिनपिंग की होगी बैठक: सूत्रों के मुताबिक चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग करीब 24 घंटे दिल्ली में रहेंगे. बताया जा रहा है कि वह 12 सितंबर को 12 बजे दिल्ली पहुंचेंगे। पीएम मोदी और जिनपिंग के बीच पहले भारत मंडपम में द्विपक्षीय बातचीत होगी, जिसके बाद वह ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। 13 सितंबर को दोपहर 12 बजे के करीब जिनपिंग वापस चीन के लिए रवाना होंगे।

ब्रिक्स के मंच पर अब दुनिया की नजर

भारत-चीन के रिश्तों के लिहाज से 12 सितंबर की तारीख अहम रहने वाली है। क्योंकि दिल्ली में इस दिन ब्रिक्स के मंच पर दुनिया की नजरें टिकी होंगी. इसमें सबसे ज्यादा पैनी नजर पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर होगी। दोनों नेताओं की द्विपक्षीय बैठक रिश्तों के लिहाज से भी काफी अहम होने वाली है. समिट से पहले चीन की तरफ से भी रिश्तों को लेकर सकारात्मक संकेत आए हैं। भारत में चीनी दूतावास की आधिकारिक प्रवक्ता यू जिंग ने एक्स पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के बयान के शेयर किया था। इसमें जयसवाल ने कहा था कि भारत-चीन संबंध धीर-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

दुनिया का प्रभावी जियो पॉलिटिक्स ग्रुप है ब्रिक्स

ब्रिक्स आज चार महाद्वीपों में फैला एक प्रभावशाली जियो-पॉलिटिक्स ग्रुप बन चुका है। समय के साथ इसमें नए सदस्य देशों के शामिल होने से इसकी आर्थिक और रणनीतिक ताकत लगातार बढ़ी है। इस ग्रुप की कमान साल 2026 में भारत के हाथों में है और देश अपनी चौथी ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान संगठन को अधिक समावेशी, प्रभावी और समाधान-केंद्रित मंच बनाने की दिशा में काम कर रहा है। भारत की 2026 की अध्यक्षता बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी विषय पर आधारित है।

बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान नहीं होंगे शामिल

ढाका, आरएनएन। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने को लेकर बड़ा बयान दिया। बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा कि तारिक रहमान को दो दिवसीय ब्रिक्स समिट में आमंत्रित नहीं किया गया। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि बांग्लादेश समिट में अपना एक प्रतिनिधि भेजेगा। उन्होंने तारिक रहमान के भारत दौरे से साफ इनकार कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, उनसे पूछा गया कि क्या पीएम तारिक रहमान ब्रिक्स समिट के लिए भारत जाएंगें? इसके जवाब में हुमायूं कबीर ने कहा। हम वहां कैसे जाएं? क्या बांग्लादेश सरकार से किसी को आमंत्रित किया गया है? उन्होंने कहा कि निमंत्रण बांग्लादेश के पीएम को नहीं, बल्कि बिम्सटेक के अध्यक्ष को भेजा गया था। हमारे पीएम को आमंत्रित नहीं किया गया। बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी से जुड़े देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है, जिसका पूरा नाम बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन है।

चीन में मालवाहक जहाज में आग लगने से 25 की मौत

बीजिंग, आरएनएन। चीन के पूर्वी बंदरगाह शहर किंगदाओ में मरम्मत के लिए लाए गए विदेशी झंडे वाले एक मालवाहक जहाज में गुरुवार को आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य बुरी तरह झुलस गए। अग्निशमन एवं बचाव ब्यूरो के मुताबिक, जहाज में आग पूर्वाह्न करीब 11:15 बजे उस समय लगी, जब चाइना स्टेट शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन की किंगदाओ बेहाई शिपबिल्डिंग कंपनी लिमिटेड में उसकी मरम्मत की जा रही थी।

सरकारी समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार, घटना के समय में जहाज में कुल 42 लोग सवार थे।खबर में कहा गया है कि जिन 25 लोगों के लापता होने की सूचना थी, बचावकर्मियों ने उन सभी का पता लगा लिया, लेकिन उनमें से किसी को भी बचाया नहीं जा सका।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि विदेशी मालवाहक जहाज में आग लगने की घटना में मृतक संख्या बढ़कर 25 हो गई है। उन्होंने बताया कि 12 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि बुरी तरह झुलसे पांच लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

लद्दाख के लिए केंद्र सरकार उठाने जा रही है बड़ा कदम

अनुच्छेद 371(के) जैसा प्रावधान जोड़ने का प्रस्ताव

● नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने लद्दाख को अतिरिक्त सुरक्षा देने के लिए अनुच्छेद 371(के) जैसा संवैधानिक प्रावधान जोड़ने का प्रस्ताव दिया है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली में बुधवार को इसे लेकर लद्दाख सब-कमेटी और गृह मंत्रालय के बीच बैठक हुई।

हालांकि, प्रतिनिधियों का कहना है कि अभी इसका कोई ड्राफ्ट तैयार नहीं हुआ है और वार्ता जारी रहेगी। यह वार्ता तब हो रही है, जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर आ रहे हैं। ये दौरा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर हो रहा है। ऐसे में इस दौरे की टाइमिंग के बीच लद्दाख को लेकर यह बड़ी पहल पाक की भी टेंशन बढ़ा सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछली वार्ता के महीनों बाद हुई इस बैठक में लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्यों वाली सब-कमेटी ने गृह मंत्रालय (एमएचए) के अफसरों मुलाकात की। इनमें एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल थे। यह बैठक 22 मई और 3 जुलाई को हुई बैठकों में बनी सैद्धांतिक सहमति को आगे बढ़ाने के लिए थी।

वांगचुक एक और आंदोलन को तैयार

सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने एक और आंदोलन करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर सरकार ने लद्दाख से जुड़े सभी मुद्दे नहीं माने तो 19 सितंबर से 24 सितंबर तक वे नया आंदोलन करेंगे। वांगचुक ने यह फैसला गुरुवार को नई दिल्ली में लद्दाख के खास ग्रुप्स और गृह मंत्रालय के सब-कमेटी के बीच हुई वार्ता की प्रगति पर निराशा जताने के कुछ घंटों बाद किया है।

बांग्लादेशी जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय दास की मां का निधन

● कोलकाता

बांग्लादेश की जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की बीमार मां से आखिरी बार मिलने की ख्वाहिश अधूरी रह गई। उनकी मां संध्या रानी धर का गुरुवार को निधन हो गया।

चिन्मय दास की तरफ से 9 सितंबर को बीमार मां से मिलने के लिए पैरोल के लिए आवेदन किया गया था, जिसे खारिज कर दिया गया। अब मां की मौत के बाद परिवार ने दोबारा पैरोल के लिए आवेदन किया, जिसके बाद चिन्मय दास को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पांच घंटे की पैरोल दी गई। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक, संध्या रानी धर ने गुरुवार सुबह करीब 9:34 बजे चटगांव के पुंडरीक धाम आश्रम में अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से बीमार थीं और पहले चटगांव के मदर एंड चाइल्ड अस्पताल में भर्ती थीं।

परिवार के मुताबिक, संध्या रानी धर अपने बेटे की जेल में हालत को लेकर बेहद चिंतित थीं। चिन्मय दास को बार-बार कोशिश के बावजूद जमानत नहीं मिल रही थी। इसी बीच उनकी तबीयत बिगड़ गई।

ट्रम्प के प्लेन का अचानक खुल गया इमरजेंसी स्लाइडर

● नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बुधवार को कतर से गिफ्ट में मिले बोइंग 747-8 प्लेन से वॉशिंगटन से टेक्सास के डलास के लिए रवाना हुए। हालांकि एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया जब ट्रम्प के विमान में सवार होने से कुछ ही देर पहले उसका एक इमरजेंसी स्लाइडर अचानक खुल गया। इसके चलते कुछ समय के लिए उनकी यात्रा में देरी हुई।

अधिकारियों ने विमान की जांच की, जिसके बाद ट्रम्प ने इसी विमान से उड़ान भरी। विमान से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि सैन्य कर्मियों से गलती से इमरजेंसी स्लाइड सक्रिय हो गया था। यह घटना उस समय हुई जब ट्रम्प डलास में होने वाले रिपब्लिकन मिडटर्म कन्वेंशन में शामिल होने के लिए रवाना होने वाले थे। ट्रम्प का विमान बुधवार शाम करीब 5:15 बजे डलास में सुरक्षित उतर गया।

इमरजेंसी स्लाइड की घटना में उनकी यात्रा तय समय से करीब दो घंटे देर से हुई। इस घटना के बाद वह करीब आधे घंटे तक हेलीकॉप्टर में ही रुके रहे। इस दौरान अधिकारियों ने विमान के खुले हुए स्लाइडर की जांच की। बाद में ट्रम्प विमान की ओर जाते दिखाई दिए।

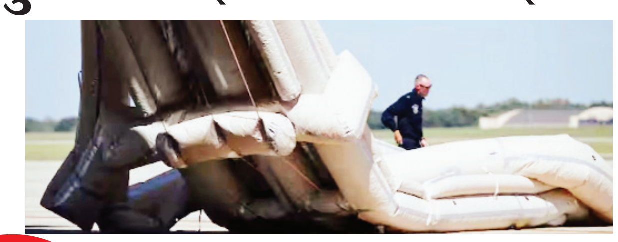

एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

विमान सुरक्षित है, तभी तो इसमें सवार हूं: ट्रम्प

ट्रम्प ने कहा कि हां, मैं विमान को सुरक्षित मानता हूं, वरना इसमें सवार नहीं होता। अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे थे कि स्लाइड ठीक तरह से काम कर रहा है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने भी कहा कि स्लाइड की जांच यह सुनिश्चित करने के लिए की गई कि सब कुछ सही तरीके से काम कर रहा है। घटना के दौरान इमरजेंसी स्लाइड को विमान से हटाकर ले जाते हुए भी देखा गया। बोइंग 747-8 विमान में आम तौर पर 12 इमरजेंसी इंफ्लेटेबल स्लाइड होते हैं। इन्हें विमान से करीब 30 फीट की ऊंचाई से यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतारने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

फिलीपींस में नौका में आग लगी, 5 की मौत

● मनीला

पश्चिमी फिलीपींस के ख्यात पर्यटन स्थल पलावन प्रांत के तट के पास एक नौका में आग लग गई, जिसमे पांच लोगों की मौत हो गई और 87 अभी भी लापता हैं। हादसा बुधवार को उस समय हुआ जब एमवी जून एस्टर में 117 यात्री और चालक दल के 17 सदस्य सवार थे। फिलीपीन तटरक्षक बल (पीसीजी) की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कायाबयाब ने फेसबुक पर जारी एक बयान में बताया कि 42 लोगों को बचा लिया गया है। उन्होंने कहा कि खोज और बचाव अभियान अभी जारी है। पीसीजी ने कोरॉन, पलावन में बरंगे मार्सिला से करीब 1.2 समुद्री मील (2.2 किमी) उत्तर-पूर्व में समुद्र में एमवी जून एस्टर नाव में आग लगने की सूचना मिलने के बाद बचाव दलों को रवाना किया। अधिकारी आग लगने के कारणों का पता लगा रहे हैं।

87 लोग अभी भी हैं लापता

अमेरिका में भी बंटने लगी अब चुनावी रेवड़ी

● वॉशिंगटन

ईरान से जंग के बीच यूएस में मध्यावधि चुनाव होने जा रहे हैं। इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को जीत हासिल करवाने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बड़ा ऐलान कर दिया है। ट्रम्प ने ऐलान किया है कि मिडटर्म इलेक्शन में रिपब्लिकन पार्टी को जिताने पर हर अमेरिकी वयस्क को पांच हजार डॉलर मिलेंगे। यानी भारतीय करेंसी की बात करें तो करीब 5 लाख रुपये हर यूएस व्यस्क नागरिक को दिए जाएंगे।

ट्रम्प ने इस टम्प डिविडेंड नाम दिया है। यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि अगर 2026 में रिपब्लिकन पार्टी सीनेट और हाउस पर अपना कब्जा बनाए रखती है, तो वे हर वयस्क यूएस नागरिक को 5000 डॉलर का डिविडेंड देंगे। ट्रम्प ने कहा कि ये रकम अमेरिका की आर्थिक ताकत और सफलतद्य की वजह से दी जाएगी। ट्रम्प ने डैलस में आरएनसी मिडटर्म कन्वेंशन में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बात कही है।

पांच हजार डॉलर का खास ऐलान

ट्रम्प ने तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। ईरान युद्ध की वजह से तेल के दाम नीचे आने की उम्मीद नहीं है। तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी मिड टर्म इलेक्शन के बाद ही कम होंगे। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान चाहता है कि अमेरिका में कमजोर लोगों का ग्रुप आ जाए और उन्हें (ईरान) को अकेला छोड़ दिया जाए और उन्हें अपने परमाणु हथियार रखने दिए जाएं।

जंग के चलते तेल के दाम नीचे आने की उम्मीद नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान युद्ध की वजह से तेल के दाम नीचे आने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी मिड टर्म इलेक्शन के बाद ही कम होंगे। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान चाहता है कि अमेरिका में कमजोर लोगों का ग्रुप आ जाए और उन्हें (ईरान) को अकेला छोड़ दिया जाए और उन्हें अपने परमाणु हथियार रखने दिए जाएं। ट्रम्प ने ये भी दावा किया है कि चुनाव के कुछ ही दिन बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि ईरान चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा, क्योंकि ईरान अब ज्यादा देर तक नहीं टिक सकता।

जरकीहोली के ठिकानों पर दूसरे दिन तलाशी जारी

बेंगलुरु, आरएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दूसरे दिन फेमा के उल्लंघन के सिलसिले में कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली के गोकक स्थित आवास और उनसे जुड़े ठिकानों पर तलाशी जारी रखी।

कर्नाटक, महाराष्ट्र में बुधवार को 18 जगहों पर शुरू हुई इस तलाशी अभियान की जांच में सतीश जरकीहोली, उनकी बेटी और चिक्कोडी से कांग्रेस सांसद प्रियंका जरकीहोली, उनके बेटे राहुल और कई सहयोगियों से जुड़ी संपत्तियां शामिल थीं। ईडी विदेशी निवेश और वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है, जिसमें अफ्रीका में व्यावसायिक संबंध भी शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे चलाएगी दो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

● मुंबई

पश्चिम रेलवे चलाएगी दो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा पर्युषण एवं दीपावली त्योहारों पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए बांद्रा टर्मिनस एवं भावनगर टर्मिनस तथा दादर एवं हज़रत निजामुद्दीन के बीच विशेष किराये पर दो स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। पश्चिम रेलवे के सीआरपीओ विनीत अभिषेक के अनुसार, यात्रियों की सुविधा के लिए इन ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

1. बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस स्पेशल: ट्रेन संख्या 09023 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस स्पेशल मंगलवार, 15 सितंबर, 2026 को बांद्रा टर्मिनस से शाम 7:25 बजे रवाना होगी और अगले दिन 10:30 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09024 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल बुधवार, 16 सितंबर, 2026 को भावनगर टर्मिनस से शाम 5:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। इस सेवा में दो फेरे होंगे। 2. ट्रेन संख्या 04001/04002 दादर-हज़रत निजामुद्दीन साप्ताहिक सुपरफास्ट एसी स्पेशल: ट्रेन संख्या 04001 दादर-हज़रत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को दादर से रात 12:15 बजे रवाना होकर उसी दिन रात 9:35 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 26 नवंबर, 2026 तक चलेगी। इस सेवा में 14 फेरे होंगे।

फ्लाईओवर से गिरने के बाद इंजीनियरिंग छात्र की मौत

नागपुर, आरएनएन। महाराष्ट्र के नागपुर में गुरूवार को एक इंजीनियरिंग छात्र की सक्करदारा फ्लाईओवर से गिरने के बाद मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 10:15 बजे हुई, जब सक्करदारा पुलिस स्टेशन इलाके में स्थानीय छात्र प्राजीत भीमराव वाहने (22) ने कथित तौर पर अपने दोपहिया वाहन से नियंत्रण खो दिया और वाहन समेत फ्लाईओवर से नीचे गिर गया।

आस-पास से गुजर रहे लोगों ने अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

आज का इतिहास

- **1297:** विलियम वालेस के नेतृत्व में स्कॉटिश सेना ने स्टर्लिंग ब्रिज पर अंग्रेजों को हराया।
- **1777:** पेंसिल्वेनिया में ब्रांडीवाइन की लड़ाई में जनरल जॉर्ज वाशिंगटन और उनकी सेना को ब्रिटिश सेना ने हराया।
- **1803 :** द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध के दौरान दिल्ली का युद्ध लड़ा गया था, जिसमें ब्रिटिश सेना ने मराठों को हराया था।
- **1893 :** शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने कट्टरता, सहिष्णुता और सभी धर्मों में निहित सच्चाई पर ऐतिहासिक भाषण दिया।
- **1895:** महान स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी नेता विनोबा भावे का जन्म।
- **1906:** महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह आन्दोलन आरंभ किया।

बड़ी कामयाबी गगनयान और एलवीएम3 को मिला बड़ा बूस्ट, एलवीएम3 की बढ़ेगी पेलोड क्षमता

इसरो के क्रायोजेनिक इंजन का परीक्षण सफल

● नई दिल्ली

इसरो ने अपने सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का 220 केएन के बढ़े हुए थ्रस्ट स्तर पर सफल परीक्षण किया है। थ्रस्ट स्तर का अर्थ इंजन की धक्का देने की बढ़ी हुई शक्ति या क्षमता है। इस परीक्षण के बाद इसरो का सीई20 इंजन अब पहले के मुकाबले अधिक ताकत (220 किलोन्यूटन का बल) पैदा कर सकता है। इस टेस्ट के सफल होने से आने वाले समय में एलवीएम3 रॉकेट की पेलोड क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ी कामयाबी मिली है।

एलवीएम यह तकनीक भविष्य के एलवीएम3 मिशनों के साथ-साथ गगनयान कार्यक्रम के लिए भी अहम मानी जा रही है। यह फ्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्ट 9 सितंबर को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रॉप्लशन काम्पलेक्स में किया गया। इस टेस्ट में सीई20 इंजन को 220 केएन यानी करीब 22 टन थ्रस्ट की बढ़ी हुई क्षमता पर चलाया गया।

सीई20 इंजन लॉन्च व्हीकल के ऊपरी क्रायोजेनिक स्टेज को ताकत देता है। इसरो भविष्य के एलवीएम3 मिशनों में उप्रेटेड सी32 स्टेज का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहा है। इसमें सीई20 इंजन को 22 टन थ्रस्ट स्तर पर संचालित किया जाएगा। इस बदलाव का सीधा फायदा रॉकेट की पेलोड क्षमता बढ़ाने में मिलेगा। यानी एलवीएम3 भविष्य में पहले की तुलना में ज्यादा वजन वाले सैटेलाइट या अन्य अंतरिक्ष पेलोड को अंतरिक्ष तक पहुंचा सकेगा।

गगनयान के लिए भी अहम है टेस्ट

इस टेस्ट में एलओएक्स टैंशिप्शरिसेशन माड्यूल (एलटीपीएम) की क्षमता का भी सफल प्रदर्शन किया गया। यह मॉड्यूल गगनयान मिशनों में इस्तेमाल होने वाले सी32 स्टेज के लिए तैयार किया जा रहा है। इसरो के लिए यह परीक्षण इसलिए भी अहम है, क्योंकि क्रायोजेनिक इंजन को ज्यादा थ्रस्ट पर सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से चलाना काफी चुनौतीपूर्ण होता है।

मार्च में भी हुआ था बड़ा टेस्ट

इससे पहले मार्च में महेंद्रगिरि स्थित इसी सुविधा में सीई20 इंजन का सी-लेवल हॉट टेस्ट 22 टन थ्रस्ट स्तर पर किया गया था. उस दौरान इंजन ने 165 सेकंड तक सफलतापूर्वक काम किया था। सीई20 इंजन के नोजल का डिजाइन भी इसे जमीन पर टेस्ट करने को चुनौतीपूर्ण बनाता है। इसके बड़े एरिया-रेशियो वाले नोजल में समुद्र तल पर कम एग्जिट प्रेशर के कारण फ्लो सेपरेशन की स्थिति बन सकती है। जिससे कंपन और थर्मल स्ट्रेस पैदा होने का खतरा रहता है। अब 220केएन पर फ्लाइट एक्सेप्टेंस टेस्ट की सफलता के बाद उप्रेटेड सी32 स्टेज को आगामी एलवीएम3 मिशनों में इस्तेमाल करने की दिशा में इसरो एक कदम और आगे बढ़ गया है। हाल ही में 5 सितंबर को इसरो ने जीएसएलवी-एफ17 के जरिए ईओएस-05 सैटेलाइट को भी सफलतापूर्वक लॉन्च किया था।

अगस्त में एनएफआर की माल लोडिंग में 4.5% की बढ़ोतरी

पांच महीने में 6.5 फीसदी का इजाफा

● मालीगांव,

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने अगस्त 2026 में कुल 0.957 मिलियन टन (एमटी) माल की लोडिंग की। यह पिछले साल इसी माह की गई 0.916 एमटी लोडिंग के मुकाबले 4.5 फीसदी अधिक है।

अप्रैल से अगस्त 2026 के दौरान कुल माल लोडिंग 5.09 एमटी पहुँच गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में दर्ज 4.78 एमटी के मुकाबले 6.5 फीसदी की बढ़ोतरी को प्रदर्शित करता है। अगस्त में कई मुख्य सामग्रियों की लोडिंग में बढ़ोतरी हुई। सीमेंट लोडिंग दोगुना से ज्यादा 0.13 एमटी हो गया, जो अगस्त 2025 के मुकाबले 106.6त्न की एक उल्लेखनीय बढ़ोतरी है। फल, सब्ज़ियां और लकड़ी जैसी अन्य सामग्रियों की लोडिंग में 92.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि कोयला और डोलोमाइट लोडिंग में क्रमशः 54.5 फीसदी और 46.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

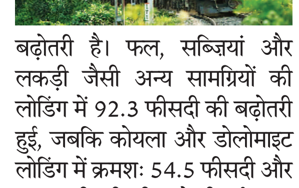

इस महीने अनाज लोडिंग में भी 39.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि कंटेनर परिवहन में 6.3 फीसदी और उर्वरक लोडिंग में 3.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अप्रैल से अगस्त 2026 की अवधि में, सीमेंट लोडिंग में 161.9 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com